संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -139 बुधवार , 20 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

सरकार सीएए पर 3 हफ्ते में जवाब दे...

9 अप्रैल को सुनवाई...याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट से बोले-इस दौरान नागरिकता ना दी जाए...

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार 19 मार्च को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ दायर 237 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इन याचिकाओं में से 20 में कानून पर रोक लगाने की मांग की गई है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्ते का समय मांगा। कोर्ट ने उन्हें 3 हफ्ते का समय दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक्ट किसी की भी सिटिजनशिप नहीं छीन रहा है। 2014 से पहले देश में आए लोगों को ही नागरिकता दी जा रही है। उसके बाद आए किसी नए शरणार्थी को नहीं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि केंद्र के जवाब देने तक नई नागरिकता नहीं दी जाए। ऐसा कुछ होता है तो हम फिर कोर्ट आएंगे।

इस पर सीजेआई की बेंच ने कहा कि हम यही हैं। केंद्र सरकार को स्टे पर जवाब देने के लिए 2 अप्रैल तक का समय दिया जाता है। उस पर 8 अप्रैल तक एफिडेविट फाइल कर सकते हैं। इस तरह हम 9 अप्रैल को सुनवाई से पहले जरूरी बातों को सुन लेंगे। असम और त्रिपुरा से जुड़ी याचिकाओं में अलग नोट दिया जाए।

केंद्र ने सीएए लागू होने का नोटिफिकेशन 11 मार्च को जारी किया था। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी। इसके खिलाफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने याचिका लगाई है।

नागरिकता संशोधन कानून की 3 बड़ी बातें...

1. किसे मिलेगी नागरिकता:-
31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

2. भारतीय नागरिकों पर क्या असर:-
भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।

3. आवेदन कैसे कर सकेंगे:-
आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदक को बताना होगा कि वे भारत कब आए। पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज न होने पर भी आवेदन कर पाएंगे। इसके तहत भारत में रहने की अवधि 5 साल से अधिक रखी गई है। बाकी विदेशियों (मुस्लिम) के लिए यह अवधि 11 साल से अधिक है।

केंद्र सरकार ने 11 मार्च को सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया है। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार 12 मार्च को कहा, 18 करोड़ भारतीय मुसलमानों को किसी भी स्थिति में नागरिकता संशोधन अधिनियम से डरने की जरूरत नहीं है। इससे उनकी नागरिकता और समुदाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वे भारत में रहने वाले हिंदुओं की तरह ही अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सीएए से मुस्लिमों को बाहर रखने पर 15 मार्च को कहा- सीएए के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी शरणार्थियों को नागरिकता दी जाएगी। ये तीनों इस्लामिक देश हैं। वहां मुस्लिमों का उत्पीड़न नहीं होता है।

संक्षिप्त खबरें

अब फिर क्रिकेट मैदान पर वापसी करेंगे सिद्धू

जालंधर,19 मार्च 2024 (ए)। नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से क्रिकेट कमेंटेटर के रूप में अपनी पारी की नई शुरुआत करेंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू अब इंडियन प्रीमियर लीग में कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे। इसे लेकर स्टार स्पोर्टस ने अपने अकाउंट पर एक पोस्ट डालकर कहा है कि सरदार आफ कामेंटरी बॉक्स इज बैक।लोकसभा चुनाव और आईपीएल का समय एक ही है, ऐसे में कमेंट्री में व्यस्त होने के कारण सिद्धू चुनाव प्रचार में कांग्रेस की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को भेजा अवमानना का नोटिस

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को अवमानना का नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह बाद कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के कथित भ्रामक विज्ञापन को लेकर यह आदेश सुनाया है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी ने विधानसभा से भी दिया त्यागपत्र

रांची ,19 मार्च 2024 (ए)। शिबू सोरेन परिवार की बड़ी बहू और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद विधानसभा से भी इस्तीफा दे दिया है।

चुनाव चिन्ह को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अजित पावर गुट को घड़ी चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। वहीं शरद पवार को बिगुल बजाता आदमी चुनाव चिन्ह के रूप में इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट की ओर दाखिल एक याचिका पर यह आदेश पारित किया है।

पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। एनडीए की सीट शेयरिंग में खाली हाथ रहने के बाद आरएलजेपी चीफ पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। पशुपति पारस ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर इस्तीफा दे दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरे और मेरी पार्टी के साथ नाइंसाफी हुई। प्रेस कांफ्रेंस में पशुपति पारस ने कहा कि उन्हें एक भी सीट नहीं दी गई।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी का बड़ा दावा

के.कविता ने केजरीवाल-सिसोदिया को 100 करोड़ दिए

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में बीआरएस नेता के.कविता की गिरफ्तारी के तीन दिन बाद 18 मार्च को ईडी की ओर बयान जारी किया गया। एजेंसी ने दावा किया है कि के.कविता ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी के निर्माण और लागू करने में लाभ पाने के लिए आप के सीनियर लीडर्स के साथ साजिश रची।

एजेंसी का दावा है कि इसके लिए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। 18 मार्च को कविता ने अपनी गिरफ्तारी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को चैलेंज किया है। फिलहाल, उन्हें 23 मार्च तक ईडी की रिमांड में भेज दी गई हैं।इधर आप ने दावा किया है कि ईडी , बीजेपी की राजनीतिक शाखा की तरह काम कर रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल पर लगे आरोप सरासर गलत हैं।ईडी का दावा है कि के.कविता को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी बनाने और लागू करने में आप नेताओं की मदद मिली। इस एहसान के बदले उन्हें 100 करोड़ रुपए का भुगतान के.कविता ने किया है। एजेंसी का कहना है कि मामले की जांच के दौरान इन बातों का पता चला है। जांच एजेंसी का कहना है कि शराब के होलसेलर्स के जरिए आम आदमी पार्टी के लिए रिश्वत ली गई थी। इसके अलावा कविता और उसके सहयोगियों को आप को अग्रिम भुगतान की गई राशि की वसूली करनी थी। उन्हें प्रॉफिट कमाना था। ईडी ने कहा है कि 23 मार्च तक सात दिन की रिमांड में के.कविता से इस मामले में पूछताछ की जाएगी।

आचार संहिता के बीच दो करोड़ नकद और वस्तुएं जब्त

रायपुर,19 मार्च 2024 (ए)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से धन और वस्तुओं के अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत निगरानी दलों द्वारा सघन जाँच की कार्यवाही लगातार जारी है। राज्य में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद से अब तक दो करोड़ रुपए से अधिक की अवैध धनराशि तथा वस्तुएं जब्त की गई हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 19 मार्च तक 47 लाख 55 हजार रुपए की नगद धन राशि जब्त की गई हैं। इस दौरान 3896 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत आठ लाख 87 हजार रुपए है। सघन जाँच अभियान के दौरान 73 लाख 17 हजार रुपए कीमत के 195 किलोग्राम मादक पदार्थ तथा 51 लाख 90 हजार रुपए कीमत के 840 ग्राम कीमती आभूषण तथा रत्न भी जब्त किए गए हैं। इनके अतिरिक्त 21 लाख 71 हजार रुपए से अधिक की अन्य सामग्री जब्त की गई हैं।

भारतीय वायु सेना लेह में फंसे घायलों को किया एयरलिफ्ट

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। खराब मौसम के कारण लेह में फंसे नागरिकों को बचाने के लिए अब भारतीय वायु सेना आगे आई है। भारतीय वायु सेना के एएन-32 विमान से हताहतों को एयरलिफ्ट किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विमान की मदद से घायलों को लेह से चंडीगढ़ पहुंचाया गया है। भारतीय वायु सेना ने इस एयरलिफ्ट की जानकारी देते हुए तस्वीरों को सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सद्भावना के तहत आई एएफ के एएन-32 विमान को लेह से चंडीगढ़ तक घायलों को एयरलिफ्ट करने के लिए तैनात किया गया था।

कांग्रेस ने 11 राज्यों के करीब 80 लोकसभा उम्मीदवारों के तय किए नाम

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की तीसरी सूची के नाम पर केंद्रीय चुनाव समिति ने चर्च पूरी कर ली है। इसमें 11 राज्यों की करीब 80 सीटों के उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर दिए गए हैं और अगले एक-दो दिनों में इसका एलान कर दिया जाएगा। हालांकि, चुनाव समिति की इस बैठक में उत्तर प्रदेश के साथ ही दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे उन राज्यों की सीटों की चर्चा नहीं की गई है। जहां कांग्रेस गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतर रही है।

चंडीगढ़ को लेकर फंसा पेंच

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की इस बैठक में अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम्र पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार, कर्नाटक, पुडुचेरी, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और चंडीगढ की एक सीट के उम्मीदवार को लेकर चर्चा की गई। बताया जाता है कि तीसरी सूची में 80 सीटों में से अधिकांश पर नाम तय हो गए हैं और चंडीगढ़ सीट पर को लेकर तीन उम्मीदवारों के पैनल पर कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका तो मामला कांग्रेस अध्यक्ष पर छोड़ दिया गया।

चूंकि उत्तर प्रदेश की सीटें चर्चा के एजेंडा में नहीं थी इसलिए अमेठी और राय बरेली से गांधी परिवार की उम्मीदवारी पर सियासी सस्पेंस अभी बरकार है।

आरएसएस नेता की हत्या में एनआइए के हत्ते चढ़ा पीएफआइ का सदस्य

नई दिल्ली,19 मार्च 2024 (ए)। एनआइए ने केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या में शामिल मुख्य आरोपित शफीक को गिरफ्तार कर लिया है। वह प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) से जुड़ा हुआ था। एनआइए की ओर से मंगलवार को बताया गया कि शफीक को कोल्लम जिले से सोमवार को गिरफ्तार किया।

चुनावी हिंसा पर चंद्रबाबू नायडू ने निर्वाचन आयोग से की हस्तक्षेप की मांग

अमरावती ,19 मार्च 2024 (ए)। आंध्र प्रदेश में बढ़ती चुनावी हिंसा पर सख्त रूख अख्तियार करते हुए तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य में जारी चुनावी प्रक्रियाओं के बीच वायएसआरसीपी हिंसा को बढ़ावा दे रही है।नायडू ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्हें सत्ता खोने का डर है। 50 दिनों के भीतर वो सत्ता गंवाने वाले हैं। नायडू ने कहा कि वायएसआरसीपी के गुंडे टीडीपी कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने बीते दिनों टीडीपी कार्यकर्ताओं की हुई हत्या का जिक्र किया। हाल ही में चिलकलुरिपेट में आयोजित प्रजा गलाम बैठक में भाग लेने के कारण गिद्दलूर विधानसभा क्षेत्र के गाडीकोटा के मुलैय्या की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि एलेगेड्डा क्षेत्र के चगलामरी के 21 वर्षीय इमाम हुसैन की भी बेरहमी से हत्या कर दी गई। टीडीपी कार्यकर्ता की कार को भी आग के हवाले कर दिया गया। उन्होंने मांग की कि पुलिस मामले में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने इस हत्या की निंदा की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीडीपी प्रभावित परिजनों के साथ है। चंद्रबाबू ने आशंका जताई कि प्रकाशम, नानदयाल और पलनाडु जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सत्तारूढ़ पार्टी के इशारों पर नाच रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसपी के समर्थन से वाईएसआरसीपी के गुंडे अपने-अपने इलाकों में उपद्रव मचा रहे हैं।

छात्रा को जिंदा जलाने के बहुचर्चित केस के दोनों आरोपी दोषी करार

दुमका,19 मार्च 2024 (ए)। झारखंड के दुमका में 2022 में 12वीं की छात्रा पर पेट्रोल उड़ेलकर उसे जिंदा जलाने के बहुचर्चित कांड के दोनों आरोपियों शाहरुख हुसैन और मो. नईम अंसारी उर्फ छोटू को जिले की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने दोषी करार दिया है। 28 मार्च को दोनों की सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। यह वारदात 23 अगस्त 2022 को दुमका शहर के जरूवाडीह में हुई थी। आरोप है कि 12वीं की नाबालिग छात्रा अपने घर में सोई थी, तब शाहरुख हुसैन व छोटू उर्फ नईम ने खिड़की से उस पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी थी। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए रिम्स रांची ले जाया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया था। उसने अपने फर्द बयान में आरोपियों का नाम लिया था। इनमें से एक आरोपी शाहरूख उस पर जबरन बातचीत करने का दबाव डालता था। इनकार करने पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

चुनाव आयोग ने 24 घंटे के अंदर बंगाल के डीजीपी को फिर बदला,अब संजय मुखर्जी को कमान

कोलकाता ,19 मार्च 2024 (ए)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में विवेक सहाय को डीजीपी के रूप में नियुक्ति के महज 24 घंटे के भीतर ही उन्हें पद से हटा दिया। विवेक सहाय को राजीव कुमार की जगह बंगाल का नया डीजीपी नियुक्त किया गया था। मंगलवार को एक नई अधिसूचना जारी की गई जिसके तबत सहाय की जगह 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय मुखर्जी लेंगे। मुखर्जी फिलहाल अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के महानिदेशक हैं। सोमवार को, चुनाव आयोग ने राजीव कुमार को हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद आयोग ने राज्य सरकार से उसके बदले तीन नाम मांगे थे। राज्य सरकार ने विवेक सहाय (1988 बैच), संजय मुखर्जी (1989 बैच) और राजेश कुमार (1990 बैच) की सिफारिश की थी।वरिष्ठता के आधार पर आयोग ने सहाय की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। हालांकि, इससे पहले कि वह 24 घंटे पूरे कर पाते, उनकी जगह मुखर्जी को नियुक्त कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि सहाय इस साल मई में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जबकि बंगाल में चुनाव का अंतिम चरण 1 जून को है। कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इसलिए, आयोग ने इस पद पर किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना उचित समझा जो चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक पद पर बना रह सके।

संपादकीय

कठघरे में है सरकार

अगर लगे आरोपों को साक्ष्यों के जरिए साबित कर दिया जाता है, तो फिर इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना की छवि आजाद भारत में हुए एक बड़े राजनीतिक घोटाले के रूप में बनेगी। क्या इस प्रकरण की विशेष एवं पूरी जांच जरूरी नहीं है?इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के मुद्दे ने भारतीय लोकतंत्र की साख पर ऐसा ग्रहण लगाया है, जिसकी छाया से उबरना आसान नहीं होगा। अब यह बात बेहिचक कही जा सकती है कि चुनावी चंदे की यह योजना शुरुआत से ही बदनीयती से प्रेरित थी। मकसद चुनावी चंदे पर मोटा परदा डालना था। वैसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारतीय स्टेट बैंक ने जो जानकारियां सौंपी हैं, उससे बात सिर्फ यहीं तक नहीं रह गई है।बल्कि उससे कई बुनियादी सवाल उठे हैं। जब तक इन प्रश्नों पर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, यह धारणा पुख्ता बनी रहेगी कि स्वार्थी और अवांछित ताकतें धन-बल के जरिए सत्ताधारी दलों एवं राजनेताओं को साध कर अपना उल्लू सीधा कर रही हैं। सबसे परेशानी वाली बात यह सामने आई है कि कथित खोखा (शेल) कंपनियां सियासी चंदा दे रही हैं और पार्टियां उन्हें स्वीकार भी कर रही हैं। कई ऐसी कंपनियां बेनकाब हुई हैं, जिन्हें एक वित्त वर्ष में जितना मुनाफा हुआ, उससे छह गुना से भी ज्यादा रकम उन्होंने चंदा दिया।तो सवाल उठा है क्या सियासी चंदा देने के लिए ही कुछ बड़े कॉरपोरेट घरानों ने ऐसी कंपनियां बनाईं? यह पहलू इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि इनमें से कई कंपनियों की स्थापना इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना लागू होने के बाद हुई। एक अन्य मुद्दा चंदे के बदले लाभ पहुंचाए जाने और भयादोहन के बदले चंदा उगाहने के आरोप से संबंधित है। चूंकि स्टेट बैंक ने अभी तक यूनिक कोड उपलब्ध नहीं करवाए हैं, इसलिए ठोस रूप से यह दिखा पाना अभी संभव नहीं है कि किस कंपनी ने कब किस पार्टी को कितना चंदा दिया।मगर आकलन के आधार पर विशेषज्ञों ने इस तरफ इशारा किया है कि ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के शुरू होने तुरंत बाद कुछ कंपनियों ने इलेक्ट्रॉल बॉन्ड खरीदे। उधर कुछ कंपनियों को इस माध्यम से चंदा देने के कुछ समय बाद परियोजनाओं के बड़े ठेके मिले। अगर यह रिश्ता साक्ष्यों के साथ स्थापित कर दिया जाता है, तो फिर इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना की छवि आजाद भारत में हुए एक बड़े राजनीतिक घोटाले के रूप में बनेगी। क्या इस प्रकरण की पूरी जांच जरूरी नहीं है?

आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।

कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा। ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया। उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी। कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल क्यों ?

अब से पहले तक आम चुनावों की घोषणा होने के बाद राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के अभियान में जुट जाते थे। लेकिन वक्त के साथ अब स्थितियां बदल गई हैं। 2019 से विपक्षी दलों के सियासी एजेंडे में एक और काम जुड़ गया है। वह काम है, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उसे मोदी सरकार की कठपुतली साबित करना।

वर्तमान आम चुनावों के लिए सात चरणों के कार्यक्रम की जैसे ही घोषणा हुई, पिछली बार की तरह एक बार फिर चुनाव आयोग सवालों के घेरे में आ गया। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष लंबे समय तक चलने वाले चुनाव कार्यक्रम के लिए मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को कठघरे में खड़ा कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल और तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सीधे-सीधे प्रधानमंत्री मोदी का आयोग घोषित कर दिया है।

इनका लगता है कि चुनाव आयोग ने इलेक्शन का इतना लंबा शेड्यूल इसलिए बनाया ताकि मोदी और बीजेपी को फायदा मिल सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या पहली बार इतनी लंबी अवधि तक चुनाव प्रक्रिया चलने वाली है? इस तथ्य को समझने के लिए अतीत के चुनावों पर निगाह डाल लेते हैं।

साल 2014 का आम चुनाव पूरे नौ चरणों में संपन्न हुआ था। तब पहला मतदान 13 अप्रैल को हुआ था और उस लोकसभा के लिए आखिरी मतदान 12 मई को हुए थे। इसके बाद 16 मई को नतीजे आए थे। तब देश में करीब 81 करोड़ 45 लाख वोटर थे। जब ये आम चुनाव हुए थे, तब मनमोहन सिंह की अगुआई वाली यूपीए की सरकार थी। जिस तरह विपक्ष मौजूदा चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है, उस हिसाब से कह सकते हैं कि तब के चुनाव आयोग ने तत्कालीन सरकार और प्रधानमंत्री के इशारे पर चुनाव प्रक्रिया लंबे समय तक चलाई थी। मौजूदा विपक्षी तर्कों के हिसाब से कह सकते हैं कि तब मनमोहन सरकार चलाने वाली ताकतों के इशारे पर लंबी चुनाव प्रक्रिया इसलिए चली ताकि मनमोहन सरकार के खिलाफ गुस्सा धीरे-धीरे कम होता जाए और उसका फायदा तत्कालीन यूपीए को मिले? साल 2014 की चुनाव प्रक्रिया लोगों को उम्मीदभरी लगी। उसके पहले के तीन दशकों से चूंकि देश अल्पमत की सरकारों को देख रहा था, इसलिए 2014 में भी कुछ ऐसे ही चुनाव नतीजों की उम्मीद लगाए बैठे लोगों की संख्या भी कम नहीं थी। लेकिन 2014 के नतीजों ने तीन दशकों से जारी चुनावी नतीजों की परंपरा को बदल कर रख दिया। इसके बाद कुछ दल जहां चकित नजर आए, वहीं कुछ को इन नतीजों से मिले झटके से उबरने में वक्त लगा। जैसे ही वे इस झटके से उबरे, उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। इसमें 2009 के आम चुनावों के दौरान बीजेपी के एक वर्ग द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवालों को आधार भी बनाया गया। जब 2019 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को पहले की तुलना में ज्यादा समर्थन मिला तो ईवीएम पर सवालों की बौछार भी तेज हुई और चुनाव आयोग पर सवालों के घेरे भी बढ़ते गए। जब चर्चा 2019 के आम चुनावों की चली है तो हमें उस बार की चुनावी प्रक्रिया को भी याद कर लेना चाहिए। तब पहला मतदान 11 अप्रैल को हुआ था, जबकि आखिरी बार 19 मई को वोट डाले गए। तब कुल सात चरणों में मतदान हुआ था। जिसके नतीजे 23 मई को घोषित किए गए। उस बार करीब नब्बे करोड़ मतदाता थे। इस बार चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनाव प्रक्रिया और तारीखों की घोषणा की। इस दौरान मीडिया ने लंबे वक्त तक चलने वाली मतदान प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से सवाल भी पूछे। तब राजीव कुमार ने जो कहा था, उसकी ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति अलग है। देश का भूभाग बड़ा है। एक ही समय में कहीं बर्फ गिर रही होती है तो कहीं तेज गर्मी पड़ रही होती है। इसी दौरान स्थानीय और महत्वपूर्ण त्यौहार भी होते हैं। इसलिए चुनावी तारीखों का ऐलान करते वक्त भौगोलिक स्थिति और स्थानीय सांस्कृतिक आयोजन और त्योहार आदि का ध्यान रखना पड़ता है।

राजीव कुमार ने इस सवाल के जवाब में यह भी कहा कि चुनाव आयोग का मकसद पूरे देश में स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराना है। इसके लिए उसे सुरक्षा बलों की जरूरत होती है। सुरक्षा बलों और पुलिस पर स्थानीय प्रशासन के साथ ही चुनाव की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बलों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने और तैनात करने में वक्त लगता है। इसलिए चुनाव की प्रक्रिया लंबे समय तक चलती है। वैसे ध्यान रखने की बात यह है कि इस बार पिछले आम चुनाव की तुलना में करीब सात करोड़ ज्यादा यानी करीब 97 करोड़ मतदाता हैं। इतनी तो यूरोप की कुल जनसंख्या नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, समूचे यूरोप की जनसंख्या करीब 75 करोड़ ही है। चुनाव आयोग का दावा है कि वह हर वोटर के पास पहुंचना चाहता है और हर राजनीतिक दल या चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को समान मौका और सहूलियतें मुहैया कराना चाहता है।

-उमेश चतुर्वेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चंदा सत्ता की पार्टी को ही

चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को मिले चंदे का ब्योरा सार्वजनिक हो गया है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने का जो कानूनी तरीका स्थापित किया गया था उसमें पारदर्शिता की कोई गुंजाइश नहीं थी। देश के नागरिकों से यह बात छिपाई गई कि किस पार्टी को कौन चंदा दे रहा है और कितना चंदा दे रहा है? लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस गोपनीयता पर से परदा हटा दिया है।यह भी कह सकते हैं कि पहला परदा हट गया है। यह पता चल गया है कि किस कंपनी ने किस तारीख को कितने रुपए का बॉन्ड खरीदा। यह भी पता चला है कि किस पार्टी ने किस तारीख को कितने रुपए का बॉन्ड भुनाया। हालांकि अब भी बॉन्ड का यूनिक नंबर सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे यह पता चले कि किस कंपनी द्वारा खरीदा गया बॉन्ड किस राजनीतिक दल ने भुनाया है। फिर भी यह पता चल गया है कि किस कंपनी ने सबसे ज्यादा बॉन्ड खरीदा और किस पार्टी ने सबसे ज्यादा बॉन्ड को कैश कराया।अभी जितना खुलासा हुआ है उसका लब्बोलुआब है कि भले इसे राजनीतिक चंदे का नाम दिया जा रहा है लेकिन यह चंदा राजनीतिक दलों को कम और सरकारों को ज्यादा मिलता है। कहने का मतलब है कि जिस पार्टी की सरकार रहती है उसको चंदा मिलता है। विपक्षी पार्टियों को चिड़िया के चुग्गे के बराबर चंदा मिलता है। दूसरा निष्कर्ष यह भी है कि उत्तर भारत के हिंदी पट्टी की पार्टियों की हैसियत कुछ नहीं है। देश के बड़े कॉरपोरेट घराने उनको कुछ नहीं समझते हैं। इसका कारण यह भी हो सकता है कि हिंदी पट्टी के राज्यों में बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए कोई अवसर नहीं होता है इसलिए वे इस इलाके की पार्टियों को नाममात्र का चंदा देते हैं या नहीं देते हैं।तभी बिहार में सत्ता में होने के बावजूद नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू को बहुत मामूली चंदा मिला है। उनके मुकाबले मुख्य विपक्षी राजद को थोड़ा ज्यादा चंदा मिला है। उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी को भी चुनावी बॉन्ड के जरिए बहुत कम फंडिंग हुई है, जबकि बसपा को चुनावी बॉन्ड से कोई चंदा नहीं मिला है।सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि खनिज संपदा से संपन्न राज्य झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा चार साल से सरकार में है लेकिन उसका नाम टॉप पार्टियों में नहीं है। जबकि झारखंड में देश के बड़े कॉरपोरेट घरानों का बड़ा निवेश है और बड़ा काम है। ध्यान रहे चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने वालों में देश की बड़ी और नामी कंपनियों के नाम नहीं हैं। चुनावी चंदे में पार्टियों का ब्यौरा यह है-ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस)बहरहाल, केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के बाद सबसे ज्यादा चंदा ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को मिला है। ध्यान रहे वे 2011 के बाद से लगातार पश्चिम बंगाल की सरकार में हैं। उनको कुल 1,609 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड मिला है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के मुताबिक ममता बनर्जी की पार्टी जब मई 2021 में तीसरी बार जीती और तमाम माहौल बनाने के बावजूद भाजपा नहीं जीत पाई तो अचानक तृणमूल कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में भारी इजाफा हुआ।आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर-नवंबर 2020 और जनवरी 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने कुल 65 बॉन्ड कैश कराए, जिनसे उसे 43.4 करोड़ रुपए मिले। लेकिन चुनाव के दौरान यानी मार्च और अप्रैल 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने 171 बॉन्ड कैश कराए, जिनसे उसे 55.44 करोड़ रुपए मिले। इसके बाद शुरू होती है असली कहानी। मई में तीसरी बार सरकार में आने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी ने मई में 337 बॉन्ड कैश कराए, जिनसे उसे 107 करोड़ रुपए से ज्यादा मिले।उसी साल अक्टूबर में पार्टी ने करीब 142 करोड़ के बॉन्ड कैश कराए और फिर जनवरी 2022 में 224 करोड़ रुपए का बॉन्ड भुनाया। इसके बाद 2022 में ही तृणमूल कांग्रेस ने 203 करोड़ रुपए का बॉन्ड और भुनाया। देश की बड़ी कंपनियों ने तृणमूल को चंदा दिया होगा। गौरतलब है कि सबसे ज्यादा बॉन्ड खरीदने वाली 20 कंपनियों में तीन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। उनमें से हल्दिया एनर्जी ने 377 करोड़ का बॉन्ड खरीदा, कैवेंटर फूड पार्क ने 195 करोड़ और एमकेजे इंटरप्राइज ने 192 करोड़ रुपए का बॉन्ड खरीदा था। बंगाल स्थित कंपनियों से ममता बनर्जी की पार्टी को ज्यादा चंदा मिला हो सकता है।कांग्रेस पार्टी बनाम टीआरएसङ्क को कुल 1,421 करोड़ रुपए के बॉन्ड मिले हैं। यानी उसे एक राज्य में सरकार वाली तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले दो सौ करोड़ रुपए कम मिले हैं। लेकिन इससे भी दिलचस्प यह है कि चौथे नंबर पर के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति है। 2023 के दिसंबर तक तेलंगाना में उसकी सरकार थी। उसे 1,214 करोड़ रुपए का बॉन्ड मिला है। यानी अखिल भारतीय स्तर की पार्टी, संसद की मुख्य विपक्षी पार्टी और दिसंबर 2023 तक चार राज्यों में सरकार चला रही कांग्रेस को जितना मिला था उससे सिर्फ दो सौ करोड़ कम एक राज्य तेलंगाना में सत्तारूढ़ दल को चंदा मिला था।पांचवें नंबर पर ओडिशा में पिछले 24 साल से सत्तारूढ़ बीजू जनता दल है, जिसे 775 करोड़ रुपए से ज्यादा का चुनावी बॉन्ड मिला था। इसके बाद तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके को 639 करोड़ फिर आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएस कांग्रेस को 337 करोड़ रुपए मिले। महाराष्ट्र में 2022 के जून तक सत्ता में रही शिव सेना को 158 करोड़ रुपए मिले। चुनावी बॉन्ड जारी होने के बाद डेढ़ साल तक बिहार में सत्ता रही राष्ट्रीय जनता दल को 72 करोड़ रुपए का बॉन्ड मिला।भाजपा-कहने की जरुरत नहीं है कि चुनाव आयोग की ओर से सार्वजनिक किए गए ब्योरे के मुताबिक सबसे ज्यादा चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। उसने 6,060 करोड़ रुपए का बॉन्ड कैश कराया है। स्टट बैंक ने जो ब्योरा दिया है उसमें 2019 से 2024 का डाटा है। इस अवधि में कुल 12,156 करोड़ रुपए के बॉन्ड बिके थे। इसमें से लगभग आधा यानी 6,060 करोड़ अकेले भाजपा को मिला है। इसका ब्योरा सार्वजनिक नहीं हुआ है लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2019 में ज्यादा बड़े बहुमत के साथ भाजपा के केंद्र की सरकार में लौटने के बाद उसको मिलने वाले चुनावी बॉन्ड में बढ़ोतरी हुई होगी।अगले कुछ दिन में जो आंकड़े और डिकोड होंगे या चुनावी बॉन्ड के यूनिक अल्फा न्यूमेरिक नंबर्स जारी होंगे तब पता चलेगा कि भाजपा और दूसरी पार्टियों को किस कारोबारी घराने ने कितना रुपए चंदा दिया। लेकिन इतना स्पष्ट है कि जो पार्टियां सरकार में थीं उन्हें दूसरी पार्टियों के मुकाबले ज्यादा चंदा मिला है।यह भी स्पष्ट है कि चंदा देने वाले कारोबारियों ने कांग्रेस की अनदेखी की। ऐसा लग रहा है कि उन्हें कांग्रेस को चंदा देने में खतरा लग रहा था। तभी उन्होंने सत्तारूढ़ प्रादेशिक पार्टियों को तो खुले हाथ से चंदा दिया है लेकिन कई राज्यों में सरकार चला रही कांग्रेस को उसकी तुलना में कम चंदा दिया है।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मोदी से मुकाबले में विपक्ष कर रहा आत्मघाती गोल

लोकसभा चुनाव में पहले दिन से भाजपा और मोदी का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर प्रवेश के बाद से लोकसभा के चुनाव राष्ट्रपति प्रणाली की तरह हो गए हैं। मोदी एक लोकप्रिय चेहरा बन चुके हैं। जब तक उनके सामने एक वैकल्पिक चेहरा नहीं होगा, तब तक विपक्ष का चांस ही दिखाई नहीं दे रहा। विपक्ष भले ही यह कहता रहे कि 1996 में कौन सा चेहरा था, या 1977 में कौन सा चेहरा था, तब भी तो जनता ने तख्ता पलट दिया था। तो इन दोनों वक्त की परिस्थितियों को समझना जरूरी है।

1977 का नतीजा आपातकाल के खिलाफ जनता की प्रतिक्रिया थी, और 1996 का नतीजा नरसिंह राव की भ्रष्ट सरकार और हिंदुत्व के उभार के कारण आया था। बाबरी ढांचा टूट चुका था, जिस कारण मुस्लिम वोटर कांग्रेस से नाराज था। एक तरफ मुस्लिमों ने कांग्रेस छोड़ कर क्षेत्रीय पार्टियों का रूख कर लिया था। दूसरी तरफ हिन्दू भाजपा की तरफ आकर्षित होने लगे थे। 1996 का नतीजा कांग्रेस के खिलाफ था, लेकिन किसी के पक्ष में नहीं था, इसलिए

वह भारतीय राजनीति का सबसे कठिन दौर था, जब दो साल बाद ही चुनाव करवाने पड़े थे। 1984 से पहले के दौर को याद कीजिए, देश के दूर दराज के क्षेत्रों में इंदिरा गांधी लोकप्रिय थी। या 1964 से पहले का जमाना देख लीजिए जब जवाहर लाल नेहरू लोकप्रिय थे।

आज से दस साल पहले तक दूर दराज के आदिवासी क्षेत्रों में किसी से पूछते थे कि प्रधानमंत्री कौन है, तो जवाब मिलता था इंदिरा गांधी। जबकि इंदिरा गांधी की 30 साल पहले हत्या हो गई थी। भारतीय राजनीति में चेहरे का हमेशा महत्व रहा है। तमिलनाडू में एमजीआर और बाद में करुणानिधि या जयललिता, इसी तरह आंध्रप्रदेश में एनटीआर चेहरे ही थे, जो राजनीति में आते ही छा गए। विपक्ष के पास न चेहरा है, न 1977 और 1996 की तरह मुद्दा है। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद कुछ समय के लिए एक बार अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के चेहरे थे। वाजपेयी के समय भी लेखक अखबारों में लिखते थे, वाजपेयी के बाद कौन। नेहरू, इंदिरा और वाजपेयी, इन तीनों के कार्यकाल में अखबारों और टेलीविजन की दुनिया में एक शब्द बहुत ही पॉपुलर हुआ था, वह शब्द था टीना फेक्टर। टीना का फुल फ़ार्म है, देयर इज नो एल्टरनेटिव,यानी कोई विकल्प ही नहीं है। अब नरेंद्र मोदी के लिए भी वही स्थिति पैदा हो चुकी है, लोकसभा के चुनाव में मोदी का कोई विकल्प ही नहीं है।

-अजय सेतिया-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होली है

होली का त्योहार अनुठा बताता है
आपसी सौहार्द।
अलग अलग रंगों का मिश्रण जगाता
अपना समाजिक सौहार्द।।
रंग अनुपम और गहरा कर दिल में
गहरा करता प्यार।
द्वेष घृणा को दूर कराकर दिल में
भरता प्यार संचार ।।
दहन होलिका हमे बताती दहन
करना है बुरे विचार।
सुन दिल की लाल धड़क को
अब हमें हटाना अपना विकार ।।
अलग अलग रंगों की चाहत मन में
भरता कुछ पाने की चाह।
उस रंगों में लिपट लिपट अब गहरा
होता अपना चाह।।
रंग भरे हों अपने जीवन में वसंत
ऋतु जैसा हो साल।
सुखद और सरस अनुभूति मिलता
रहे बस साल दर साल।।
मृग कस्तूरी ढूंढ ढूंढ़ जब सिथिल
पड़े हो अपने चाल।
फिर कस्तूरी सुगन्ध फैलाकर ऊर्जा
भरे ये रंग के छाप।।
केशरिया रंग उस वीर जवानों को
जो सीमा पर है तैयार।
जिनके कठिन तपस्या से ही हम
उड़ा रहे यहाँ गुलाल।
दो मोती अश्रु के जिनका छूटा
अपनों से साथ।
रंग हीन इस मोती से जुड़ा रहे
अपनों से साथ।।

कमलेश झा
नगरपारा
भगलपुर
बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बहुचर्चित राजमोहिनी भवन के समीप की शासकीय भूमि के निजी होने के मामले में भू-माफिया रच सकते हैं बहुत बड़ा षड्यंत्र

- भू-माफिया अपने बचने की वजह से बंशु को किया लापता : कैलाश मिश्रा
- समाजसेवी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर बंशु की खोजबीन की लगाई गुहार
- कैलाश मिश्रा समाजसेवी ने कलेक्टर सरगुजा को लिखा पत्र और बंशु के हत्या की जताई संभावना

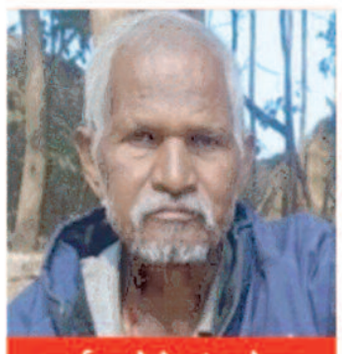

फाईल फोटोः बंशु लोहार

मामला दर्ज होने के बाद से बंशु लापता... हत्या की भी जताई जा रही है संभावना

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा के अंबिकापुर शहर का बहुचर्चित राजमोहिनी भवन के समीप का शासकीय भूमि का निजी होने के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से भू माफिया में हड़कंप मचा हुआ है अपने बचने का पूरा प्रयास कर रहे है, इसी कड़ी में वह जिन्होंने जिस व्यक्ति के नाम भूमि को निजी कराया था उसको भी कलेक्टर न्यायालय में पेश होने से पहले ही लापता कर दिए, अब बंशु कहां है इसका किसी को पता नहीं, इसकी वजह बताई जा रही है कि मामले को लीपा पोती करने के उद्देश से भू माफिया बंशु को लापता कर दिया है, ताकि उनका राज ना खुल जाए, भू माफिया अपने बचने की वजह से बंशु की हत्या न कर दे ऐसी भी संभावना जताई जा रही है, शासकीय भूमि को निजी करने के चक्कर में भूमाफिया और भी बड़ा क्राइम कर सकते हैं ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

शिकायतकर्ता कैलाश मिश्रा ने कलेक्टर सरगुजा को पत्र लिखा है की अम्बिकापुर शहर के कुख्यात जमीन विक्रय व क्रय करने का धंधा करने वाले व्यक्तियों के समुह द्वारा ग्राम परसा निवासी बंशु आत्मज भुटकुल लोहार नामक व्यक्ति से अवैध नामांतरण एवं विक्रय के पश्चात् जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराये जाने के बाद से ही बंशु आत्मज भुटकुल लोहार, निवासी ग्राम परसा के लापता होने तथा उसकी हत्या कर मामले में लिपापोती होने की संभावनाओं के कारण बंशु आत्मज भुटकुल लोहार की खोजबीन करनी चाहिए। आवेदक नगर अम्बिकापुर में समाज सेवा का कार्य करने वाला जागरूक नागरिक है। आवेदक के आवेदन पर नगर अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज के सामने स्थित राजमोहिनी भवन के बाजू में अवैधानिक तरीके से कुछ जमीन बेचने-खरीदने के धंधेबाजों द्वारा आपस में एक समुह बनाकर जिसमें हल्का पटवारी, राजस्व निरीक्षक, नजूल अधिकारी, नजूल अधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा बहुमुल्य जमीन जो नमनाकला, अम्बिकापुर क्षेत्र में स्थित जमीन खसरा नं. 243/1 संशोधित खसरा नं. 243/41 रकबा 4.22 एकड़ जमीन पर ग्राम परसा निवासी बन्सु राम पिता भुटकुल राम का नया आधार कार्ड बनाकर उसे खड़ा कर पहले फर्जी पेपर को आधार बनाकर तत्कालीन नजूल अधिकारी नीलम टोप्पो से दिनांक 7-10-2022 को नजूल अभिलेखों में नामांतरण दर्ज कराकर नजूल अभिलेख दुरुस्त कराया गया था। इसके बाद सम्पूर्ण जमीन को टुकड़ो-टुकड़ों में करके 50 करोड़ रूपये में जमीन का बिक्रीनामा कराकर 8 विक्रय पत्र का रजिस्ट्री कराकर विक्रय किया गया है। आवेदक के आवेदन पर कलेक्टर महोदय, सरगुजा द्वारा स्व-प्रेरणा में पुनरीक्षण की कार्यवाही संचालित करते हुए 14 मार्च 2024 को बंशु आत्मज भुटकुल लोहार को उपस्थिति की नोटिस जारी की गई थी। न्यायालय में बंशु आत्मज भुटकुल लोहार उपस्थित नहीं हुआ था, बल्कि उसका पोता न्यायालय में उपस्थित होकर बताया था, कि वह बीमार है, उसका इलाज रायपुर के अस्पताल में चल रहा है, परन्तु यह नहीं बताया गया कि किस अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया है। इस प्रकार विरोधाभाषी परिस्थितियां निर्मित है। आवेदक को अंदेशा है, कि बंशु लोहार भू-माफियाओं के समूह के कब्जे में है तथा भविष्य में उसकी हत्या कर सारे राज समाप्त कराने का षड़यंत्र किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में निष्पक्ष अधिकारी नियुक्त कर जांच कराया जावे, ताकि फरार बंशु लोहार का पता चल सके। जिला प्रशासन के आदेश पर बंशु लोहार व अन्य व्यक्तियों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पुलिस थाना,गांधीनगर में दर्ज किया गया है। जबकि आरोपियों के गिरफ्तारी का इंतजार सभी को है।

समाज सेवक-कैलाश मिश्रा

बेमौसम बारिश ने किसानों को तोड़ा कमर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

बेमौसम बारिश ने किसानों का कमर तोड़ दिया है। रूक-रूक कर पिछले तीन दिनों से बारिश हो रही है। बारिश होने से किसानों के फसल को काफी नुकसान हुआ है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार अंबिकापुर में मंगलवार को 1.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं अधिकतम तापमान 34 से गिरकर 24 डिग्री पहुंच गया है। इससे मौसम शुष्क हो चुका है।

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ में बादलों की उपस्थिति बनी हुई है। इसका प्रभाव के कारण तीन दिनों से रूक-रूककर बारिश हो रही है। मंगलवार की दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक मूसलाधार बारिश हुई। इसके बाद पुनः देर शाम तक बेंदा बांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को 1.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं पिछले तीन दिनों के अंदर अंबिकापुर में 31 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि पश्चिमी विपक्षोभ के प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ में निम्न एवं मध्य स्तरीय बादलों की उपस्थित बनी हुई है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी में ऊपरी हवा के चक्रवात की सक्रियता से पर्याप्त नमी का प्रवेश होने के कारण अगले 48 घंटे में कहीं-कहीं तेज गरज-चमक के बारिश की संभावना है। इसके साथ ही एक नया पिश्चमी विक्षोभ अफगानिस्तान के निकट सक्रिय है। जिसका प्रभाव अगले 3-4 दिनों में देखा जा सकता है। लगातार बारिश होने से सबसे अधिक नुकसान किसानों को हुआ है। बारिश के कारण सब्जियों, तिलहन व दलहन की फसलों को नुकसान पहुंचा है। बारिश के कारण फल व फूल में कीड़े लग जाएंगे।

15 स्थायी व 45 गिरफ्तारी वारण्ट को न्यायालय में किया गया पेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव व होली त्यौहार शांतिपूर्ण संपन्न हो इसके लिए पुलिस वार्टियों की धरपकड़ कर रही है। ऑपरेशन विश्वास के तहत दो दिन के अंदर 15 स्थायी वारण्ट एवं कुल 45 गिरफ्तारी वारण्ट को पकडक़र न्यायालय में पेश किया गया है। कोतवाली से स्थायी 10, गिरफ्तारी वारण्ट 7, थाना गांधीनगर से स्थायी 1 गिरफ्तारी वारण्ट 12, थाना मणीपुर से गिरफ्तारी वारण्ट 7, थाना दरिमा से स्थायी वारण्ट 1, थाना लखनपुर से गिरफ्तारी वारण्ट 3, थाना लुण्ड्रा से स्थायी वारण्ट 1, थाना बतौली से गिरफ्तारी वारण्ट 6, थाना सीतापुर से स्थायी वारण्ट 2 व गिरफ्तारी वारण्ट 4, थाना उदयपुर से गिरफ्तारी वारण्ट 3, थाना धौरपुर से गिरफ्तारी वारण्ट 1, चौकी रघुनाथपुर गिरफ्तारी वारण्ट 1 एवं चौकी केरजू से गिरफ्तारी वारण्ट 1 की तामिली की गई है।

660 ग्राम गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)। कमलेश्वरपुर पुलिस ने गांजा के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार पुष्पलता नामक महिला रोपाखार के पास गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से 660 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत 10 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने महिला के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले 107 वाहन चालकों से वसूले गए 87 हजार समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा सडक़ सुरक्षा अभियान के तहत यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रतिदिन अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत् दो दिवस में यातायात पुलिस टीम द्वारा मोबाइल पर बात कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, दो पहिया वाहन मे तीन सवारी वाहन चलाने वाले वाहन चालकों तथा अन्य विभिन्न धाराओं के तहत् भी सख्ती से कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस द्वारा अभियान के तहत दो पहिया वाहन मे तीन सवारी वाहन चालकों के विरुद्ध कुल 11 प्रकरण दर्ज कर 5500 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले कुल 39 वाहन चालकों पर कार्यवाही कर कुल 11700 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया तथा अन्य विभिन्न धाराओं के तहत् कार्यवाही करते हुए कुल 57 प्रकरण दर्ज कर कुल 69700 रुपए रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है। यातायात सुरक्षा अभियान के तहत् यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले कुल 107 वाहन चालकों पर 86900 रुपए रुपये की चालानी कार्यवाही की गई है। सरगुजा पुलिस द्वारा सडक़ सुरक्षा अभियान के तहत प्रतिदिन कार्यवाही की जायगी, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों से अपील करती है, कि यातायात के नियमों का पालन करें एवं स्वयं सुरक्षित रहें तथा अन्य राहगीरों को भी सुरक्षित रखे।

आकाशीय बिजली से पंच की मौत

- सवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा व बलरामपुर जिले में सोमवार की दोपहर अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटना में एक पंच की जहां मौत हो गई, वहीं एक घर के सदस्य व मेहमान बाल-बाल बच गए। दरअसल सामरी में घर का छप्पर छाने के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में ग्राम का पंच आ गया था। जबकि लुंड्रा में मेहमानों से भरे घर में आकाशीय बिजली गिर गई थी। इससे तेज शॉर्ट-सर्किट हुआ और घर के भीतर की दीवारें काली हो गई।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत सामरी के पश्चिमपारा निवासी विद्याचरण नगेशिया 37 वर्ष निर्वाचित पंच था। सोमवार की शाम करीब 5.30 बजे हल्की बारिश हो रही थी। इस दौरान वह किसी काम से घर से बाहर निकला ही था कि अचानक वहां तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आकर उसकी मौत हो गई।

आकाशीय बिजली से बाल-बाल बची जान

इधर सरगुजा जिले के लुंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बगदरी निवासी होलसाय के घर सोमवार की दोपहर एक पारिवारिक कार्यक्रम चल रहा था। इसमें शामिल होने मेहमान भी आए थे। इसी बीच दोपहर करीब 3.30 बजे हवाएं चलने लगी और तेज गरज के साथ घर के ऊपर ही आकाशीय बिजली आ गिरी।

इससे शॉर्ट सर्किट हुआ और सभी बिजली के उपकरण जल गए, वहीं घर के भीतर की दीवारें भी काली हो गई। इस दौरान परिवार के सदस्य व मेहमान डर गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

घर के भीतर घुसी आकाशीय बिजली

होलसाय के घर आए मेहमानों का कहना था कि आकाशीय बिजली घर के भीतर घुस गई थी। आकाशीय बिजली टेढ़ी-मेढी होकर दीवारों पर चट-चट की आवाज करती रही। इस वजह से दीवार पर टंगी घड़ी व फोटो भी जल गए।

इंजीनियरिंग कॉलेज के पांच छात्रों का चयन गेट स्कोर आल इंडिया के लिए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबिकापुर के पांच छात्रों का चयन गेट स्कोर आल इंडिया के लिए किया गया है। संस्था के अमित कुमार साहू ने जीएटीई 2024 में 250, अनुभव द्विवेदी ने 329, राहुल कुमार केशरी ने 724, निखिलेश्वर सिंह ने 1011 ऑल इंडिया रैंक प्राप्त किया है। इस रैंक पर उन्हें शीर्ष के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश मिलने की संभावना है। अभिनव कुमार जिनका रैंक 1092 है, उन्हें भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश मिलने की संभावना है। इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने उक्त छात्रों की सफलता पर खुशी जाहिर करत हुए बधाई दी है।

युवती से बलात्कार का आरोपी 8 महीने बाद गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर पुलिस ने बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम पोड़ी दखिलकोला थाना सूरजपुर निवासी गजेन्द्र दास एक युवती को शादी का झासा दकर 15 अक्टूबर 2022 से 25 मई 2023 तक बलात्कार किया था। इसके बाद युवक युवती से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता के पिता ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाना में 4 जुलाई 2023 को कराया था। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 8 महीने बाद आरोपी को लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पलगढ़ी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना सीतापुर से प्रधान आरक्षक रंजीत लकड़ा, आरक्षक संजय एक्का, पंकज देवांगन, सैनिक विनायक लकड़ा, सैनिक रमेश विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

CMYK

अफ्रीकी देश गांबिया में महिलाओं का खतना अब प्रतिबंधित नहीं,संसद में हुआ मतदान

लंदन,19 मार्च 2024। पश्चिमी अफ्रीकी देश गांबिया की संसद ने महिलाओं के जननांगों से जुड़ी रुढ़िवादी परंपरा पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि महिलाओं के प्राइवेट पार्ट से जुड़ी प्रक्रिया- खतना को मेडिकल साइंस की भाषा में महिला जननांग विकृति कहा जाता है। इस प्रक्रिया में महिलाओं के जननांग को आंशिक या पूर्ण रूप से हटाया जाता है। महिला अधिकार कार्यकर्ता इसे चोट पहुंचाना बताते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गैर चिकित्सीय कारणों से जननांगों को विकृत किया जाता है।

2015 में लगाया गया बैन हटा,संसद में विरोध में केवल 4 वोट

सोमवार को गांबिया की संसद में महिलाओं के खतना पर मतदान कराए गए। इस फैसले के बाद गाम्बिया को लाखों महिलाओं और लड़कियों को खतना प्रथा के खिलाफ मिली कानूनी सुरक्षा खत्म हो जाएगी। गांबिया ऐसा फैसला लेने वाला पहला देश बन सकता है। पश्चिमी अफ्रीका

विधेयक के समर्थन और विरोध में दिए गए तर्कों पर एक नजर

संसद में विधेयक पेश करने वाले नेता अल्मामेह गिब्बा ने तर्क दिया कि प्रतिबंध के कारण मुस्लिम बहुल देश में नागरिकों के अधिकारों का हनन होता है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और धर्म का पालन करने के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले प्रतिबंध को हटाने के लिए बिल पर वोटिंग कराई गई। धार्मिक निष्ठा को बनाए रखने और सांस्कृतिक मानदंडों और मूल्यों की रक्षा करने के मकसद से इस विधेयक को कानून की शक्ल दी जा रही है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और महिला अधिकार से जुड़े संगठनों के मुताबिक यह प्रस्तावित कानून वर्षों में हुई प्रगति पर पानी फेरने जैसा है। देश में मानवाधिकार के मोर्चे पर इससे बड़ा नुकसान होने का जोखिम है।

के नेताओं ने विवादित विधेयक के पक्ष में 42 वोट डाले। विरोध में चार वोट पड़े। संसद के फैसले के बाद साल 2015 में महिलाओं के खतना पर लगाया गया कानूनी प्रतिबंध हट जाएगा। साल 2015 में लगाए गए बैन के साथ-साथ तीन साल की जेल का प्रावधान भी किया गया था।

महिलाओं का खतना और मिस्र जैसे देश के हालात

जून, 2021 में आई बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक परंपराओं को मामने वाले रुढ़िवादी खतना को अनिवार्य बताते हैं। मिस्र में साल 2008 में महिलाओं का खतना प्रतिबंधित हुआ, लेकिन 13 साल बीतने के बाद भी वैश्विक स्तर पर खतना के सबसे अधिक मामले इसी देश में हैं। इस खबर के मुताबिक रुढ़िवादी मुसलमान महिलाओं को खतना के बिना अशुद्ध मानते हैं। महिलाओं को खतना यानी जननांगों को विकृत किए बगैर शादी के लिए तैयार नहीं माना जाता।

हांगकांग ने पास किया नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून,23 मार्च से होगा लागू

हांगकांग,19 मार्च 2024। हांगकांग ने एक नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित किया है। इस कानून में विभिन्न मामलों के लिए कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। यह 23 मार्च से लागू होगा। कहा जा रहा है कि इस नए कानून के जरिए सरकार को असहमति की आवाज को दबाने की और भी अधिक ताकत मिल गई है। हालांकि वहां के नागरिक संगठनों ने इसका विरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार को विधानपरिषद के एक विशेष सत्र के दौरान यह प्रस्ताव पारित किया गया। इस मौके पर विधान परिषद के अध्यक्ष एंड्रयू लेउंग ने कहा कि इस कानून का पारित होना ऐतिहासिक क्षण है।

बेहद कठोर प्रावधान

इस कानून में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे से जुड़े मामलों के लिए बेहद कठोर दंड के प्रावधान किए गए हैं। इनमें देशद्रोह के लिए आजीवन कारावास के नियम शामिल किए गए

हैं। इतना ही नहीं, देश के खिलाफ लेख या साहित्य रखने सहित छोटे अपराधों के लिए भी कई सालों की जेल का प्रावधान किया गया है। साथ ही इसमें दुनिया में कहीं भी किए गए कृत्यों के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति देने वाले प्रावधान भी किए गए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कानून का उद्देश्य जासूसी, देश की गुप्त जानकारी साझा करने और गैरकानूनी कृत्यों को अंजाम देने के लिए बाहरी ताकतों के साथ मिलीभगत को रोकना है। इसमें यह भी कहा गया है कि जो लोग राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाते हैं, उन्हें 20 साल की जेल हो सकती है। वहीं, अगर उन्होंने बाहरी ताकतों के साथ मिलीभगत की है, तो उन्हें जीवन भर की सजा हो सकती है।

जंगल में पण्डो युवक का फांसी के फंदे पर झूलता मिला शव

- संवाददाता -
लखनपुर,19 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 19 मार्च दिन मंगलवार की सुबह लगभग 11:30 बजे माजा जंगल में पण्डो युवक का फांसी के फंदे में में झूलता हुआ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।वहीं स्थानीय लोगों के द्वारा घटना की सूचना लखनपुर पुलिस सहित मृतक युवक के परिजनो को दी है। सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपूर्द कर मामले की जांच की जा रही है।मृतक युवक शंकर पिता कुमार साय पण्डो उम्र 26वर्ष ग्राम

लोसगी थाना लखनपुर निवासी सोमवार को रात लगभग 9:00 बजे खाना पीना खाकर अपने कमरे में सो गया। 18 मार्च की सुबह 11बजे के युवक का माजा जंगल के सराई पेड़ में फांसी के फंदे झूलता हुआ शव मिला। लखनपुर पुलिस से मेरी जानकारी के मुताबिक दो-तीन दिनों से रात में युवक के द्वारा घर में हल्ला गुल्ला मचाया जा रहा था। सोमवार की रात 9:00 बजे से मंगलवार की सुबह 11:00 के बीच युवक ने माजा जंगल में लूंगी का फंदा बना फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।लखनपुर पुलिस मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच में जुटी है। तथा शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द किया है।

स्वीप टीम ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्ग मतदाताओं को निष्पक्ष मतदान की दिलाई शपथ,होम वोटिंग की दी जानकारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सरगुजा विलास भोसकर के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नूतन कुमार कंवर के नेतृत्व व अपर कलेक्टर सुनील नायक की उपस्थिति में अम्बिकापुर के अजिरमा स्थित वृद्धाआश्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत् वृद्ध जन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से प्राप्त निर्देश के परिपालन में स्वीप प्लान कमेटी सरगुजा द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन में शत्-प्रतिशत मतदान के

उद्देश्य को ध्यान में रखकर वृद्धाश्रम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपसंचालक समाज कल्याण डी.के.राय, जिला आईकन स्वीप पीडब्ल्यूडी सुश्री रीता अग्रवाल, सहायक नोडल अधिकारी स्वीप एवं जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता, प्रबंधक वृद्धाश्रम संजय ठाकुर सक्रियता के साथ उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम में उपस्थित वृद्धजन का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये स्वागत उद्बोधन समाज कल्याण के डी.के.राय द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के आसंदी से बोलते हुये स्वीप के नोडल अधिकारी नूतन कुमार कंवर ने उपस्थित वृद्धजनों को आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में अपने मत का प्रयोग करने की अपील की और सभी वृद्धजनों को मतदान हेतु शपथ दिलाई। अपर कलेक्टर सुनील नायक ने निर्वाचन आयोग की ओर से वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं को प्रदान किये जाने वाले सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मतदान केन्द्र स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी से भी वृद्ध मतदाताओं को अवगत कराया। उन्होंने होम वोटिंग सुविधा के संबंध में भी उपस्थित प्रतिभागियों को बताया। इस अवसर पर स्वीप जिला आईकन पीडब्ल्यूडी सुश्री रीता अग्रवाल ने उपस्थित दिव्यांग मतदाताओं को शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम को सहायक नोडल अधिकारी स्वीप गिरीश गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्लाक परियोजना अधिकारी अशोक सिंह एवं आभार प्रदर्शन वृद्धाआश्रम के प्रबंधक संजय ठाकुर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रजनीश मिश्रा, सुजित जायसवाल, सत्यनारायण भगत, शालिनी शर्मा, अनिता मानिकपुरी, स्वास्ती भगत का सक्रिय सहयोग रहा।

पानी की समस्या को लेकर प्रशासनिक टीम के साथ कलेक्टर पहुंचे बांकी एवं घुनघुट्टा बांध

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

गर्मी के मौसम में नगरीय क्षेत्र अम्बिकापुर में होने वाली पानी की समस्या के मद्देनजर कलेक्टर विलास भोस्कर ने मंगलवार को अम्बिकापुर के बांकी डैम और घुनघुट्टा डेम का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां प्रशासनिक टीम के साथ जलस्तर का अवलोकन कर इस समस्या के समाधान के लिए अग्रिम प्रभावी कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना आवश्यक है, पानी की आपूर्ति लोगों तक प्रतिदिन की जरूरत के अनुरूप हो, यह हमारी प्राथमिकता में शामिल है। पेयजल की आपूर्ति करना है। इस हेतु पीएचई, जल संसाधन विभाग और निगम के अधिकारी प्रभावी कार्ययोजना बनाकर अभी से तैयारी शुरू करें।

घुनघुट्टा डैम के निरीक्षण के दौरान पीएचई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि डेम में पानी का लेवल 580.55 मीटर, डेड स्टोरेज क्षमता 19.95 एमसीएम, लाइव स्टोरेज क्षमता 62.05

» जलस्तर का अवलोकन कर अग्रिम कार्ययोजना तैयार कर पेयजल आपूर्ति हेतु अधिकारियों को दिया निर्देश

एमसीएम है। वर्तमान में डेम में 53 एमसीएम यानी कुल 85 प्रतिशत पानी है। डेम से निकलने वाली लेफ्ट बैंक कैनल 36 किलोमीटर एवं राइट बैंक कैनल 34 किलोमीटर है। डेम के माध्यम से 62 गांवों में सिंचाई होती है। खरीफ सीजन में 7650 हेक्टेयर तथा रबी सीजन नें 5400 हेक्टेयर सिंचाई की क्षमता है। इसी प्रकार बांकी डेम के विषय में बताया गया कि बांध की जल भराव क्षमता 17.07 मिलियन घन मीटर है, 611.15 मीटर तक पानी भरा जा सकता है। बांकी डैम की डेड स्टोरेज क्षमता 1.35 एमसीएम, वर्तमान में यहां 2 एमसीएम पानी है। यह पानी तकिया स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाता है। यहां से निगम क्षेत्रों में जलापूर्ति हेतु टंकियों में पानी सप्लाई किया जाता है।

तकिया एवं कतकालो जल संशोधन संयंत्रों के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में हो रही है पेयजल आपूर्ति

इस दौरान कलेक्टर श्री भोस्कर ने तकिया स्थित जल संशोधन संयंत्र का भी अवलोकन किया। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि नगर पालिक निगम अंबिकापुर क्षेत्रांतर्गत 02 जल संशोधन संयंत्र क्रमशः तकिया एवं कतकालो के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। तकिया स्थित जल शोधन संयंत्र बांकी जलाशय पर आधारित है, जिसकी क्षमता 17.50 एमएलडी है। वर्तमान में इस वर्ष वर्षा कम होने एवं बांकी जलाशय में जलभराव कम होने के कारण तकिया जल संशोधन संयंत्र के माध्यम से प्रतिदिवस 17.50 एमएलडी के विरुद्ध लगभग 8 एमएलडी की पेयजल आपूर्ति की जा रही है। बांकी जलाशय में आज दिनांक कुल भराव क्षमता का 12 प्रतिशत पानी उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त कतकालो स्थित जल संशोधन संयंत्र घुनघुट्टा जलाशय पर आधारित है। जिसकी क्षमता 15.0 एमएलडी है। जिससे पूर्ण क्षमता अनुरूप पेयजल की आपूर्ति निकाय में की जा रही है। वर्तमान में निकाय स्थित कुल 17 नग उच्चस्तरीय जलागारों को दोनों जल संशोधन संयंत्रों के माध्यम से प्राप्त कुल 23 एमएलडी पेयजल के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है।

एसपी ने की हेड कॉन्स्टेबल पर कार्रवाई,जारी किया डिमोशन आदेश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा। जिले के दरिमा थाना परिसर में खड़ी एक ट्रैक्टर के चारों टायर बेच दिए गए। इस मामले में पुलिस अधीक्षक सरगुजा विजय अग्रवाल ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी ने कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक को आरक्षक के पद पर डिमोशन करने के साथ ही आरक्षक को न्यूनतम वेतनमान देने के रूप में दंडित किया है। आपको बता दें कि यह पूरा मामला वर्ष 2019 का है। जब दरिमा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे के बाद ट्रैक्टर को जप्त किया गया था। और उसे थाना परिसर में लाकर खड़ा किया गया था। तब ट्रैक्टर के टायर को तत्कालीन समय में दरिमा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक संतोष गुप्ता और आरक्षक जागेश्वर बघेल के द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति को 10 हजार रुपये में बेच दिया गया था। इस मामले की शिकायत होने के बाद दोनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई थी और इस विभाग की जांच में दोनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ आरोप सही पाए गए। ऐसे में इस मामले में कार्रवाई करते हुए एसपी विजय अग्रवाल ने प्रधान आरक्षक संतोष गुप्ता को आरक्षक के पद पर डिमोशन करने के साथ ही आरक्षक जागेश्वर बघेल को 1 साल के लिए न्यूनतम वेतन दिए जाने का दंड दिया है। हम आपको बता दें कि दरिमा थाना परिसर में खड़ी ट्रैक्टर के टायर चोरी कर बेचने के मामले में कार्रवाई करते हुए एसपी विजय अग्रवाल ने ये कार्रवाई की है।

भारी मात्रा में गांजा सहित 2 गिरफ्तार, थाना जयनगर पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने नशे के कारोबार से जुड़े लोगों एवं नशे के सप्लाई चैन को तोड़ते हुए नशे के गोरख धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 18.03.2024 को थाना जयनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि अम्बिकापुर तरफ से एक मोटर सायकल में 2 व्यक्ति गांजा बिक्री करने हेतु सिलफिली तरफ आने वाले है। सूचना पर थाना जयनगर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम सिलफिली में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित पूनमराम यादव पिता भुगल राम यादव उम्र 26 वर्ष ग्राम खजरीढाप, चौकी कोतबा, थाना बागबहार जिला जशपुर एवं शोभानंद यादव पिता गुलाब यादव उम्र 26 वर्ष ग्राम बुलडेगा, थाना बागबहार जिला जशपुर को पकड़ा जिनके कब्जे से 6 किलो 100 ग्राम गांजा कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रूपये का पाया गया। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक सीजी 13 यूबी 5766 को जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर परिवीक्षाधीन डीएसपी स्निग्धा सलामे, एसआई सरफराज फिरदौसी, एएसआई वरूण तिवारी, रघुवंश सिंह, प्रवीण राठौर, प्रधान आरक्षक बृजकिशोर धुर्वा, मुकेश्वर वर्मा, अशोक साहू, आरक्षक विकास मिश्रा, दिनेश ठाकुर, नीरज झा, सोनू सिंह, राजू गबैल, सैनिक नोहर राजवाड़े, अली अकबर व जहांगीर आलम सक्रिय रहे।

पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि पत्थलगांव जशपुर क्षेत्र के एक व्यक्ति से मादक पदार्थ गांजा खरीदकर लाभ कमाने के उद्देश्य से बिक्री करने हेतु सिलफिली क्षेत्र में आना बताया। पकड़े गए दोनों आरोपी रिश्तेदार है जो करीब 4 माह पूर्व ही रायगढ़ जेल से हत्या के प्रयास तथा मारपीट के प्रकरण में जमानत पर रिहा हुए है। मामले में गांजा विक्रेता (डीलर) की पतासाजी की जा रही है।

चूल्हट नदी के 15 फिट खाई में कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर गिरा

- संवाददाता -
लखनपुर,19 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित जुनाडीह चूलहट नदी के 15 फिट खाई में 18 व 19 मार्च की दरमियां की कोयला लोड ट्रेलर ऑनियंत्रित होकर गिरा। हादसे के बाद ट्रेलर चालक बाल बाल बचा।बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने के कारण यह हादसा हुआ है। फिलहाल लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेलर क्रमांक PB 11 CS 9177 का चालक कोरबा जिला के दीपका से कोयला लोड़कर पटना बिहार जा रहा था। जैसे ही नेशनल हाईवे 130 जुनाडीह चूल्हट नाला के पास पहुंचा ट्रेलर का ब्रेक फेल होने से चालक ने वहांन पर नियंत्रण खो दिया और अनियंत्रित होकर कोयला लोड ट्रेलर 15 फीट खाई में जा गिरा चालक को मामूली चोटे आई हैं। सूचना उपरांत डायल 112और 108 की टीम मौके पर पहुंची थी परंतु चालक ने उपचार हेतु अस्पताल जाने से मना कर दिया। मंगलवार को घटना की सूचना लखनपुर पुलिस लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच में जुटी है।

क्या अशफाक उल्लाह के अचानक करोड़पति बनने का रहस्य

पुलिस प्रशासन सहित जांच एजेंसियां पता कर पाएंगी ?

आईजी ऑफिस सरगुजा के किसी सुभाष से अशफाक उल्लाह का क्या है संबंध... ?

» अशफाक उल्लाह को समाचार पत्रों में छप रहे समाचारों से क्यों नहीं है कोई डर ?

» अशफाक उल्लाह के व्यवसाय में मोबाईल दुकान संचालक व हार्डवेयर संचालक की कितनी है हिस्सेदारी ?

» सामान्य परिवार का साधारण युवक अशफाक उल्लाह आखिर कुछ महीनों में कैसे बना करोड़पति ?

» आखिर अशफाक उल्लाह के गिरेबान पर हाथ डालने से क्यों घबरा रहा है पुलिस अमला ?

» अशफाक उल्लाह के गुर्गे मीडिया को सेट करने में ऊर्जा क्यों लगा रहे हैं ?

» अशफाक उल्लाह पर किस राजनेता को चुनावी चंदा देने का लगा रहा है आरोप ?

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर/सूरजपुर, 19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप के बाद प्रदेश में दो नाम काफी चर्चित हो चुके हैं एक सारंगढ़ का शिव साहू वहीं सरगुजा का अशफ़ाक उल्लाह इनके पास न जाने ऐसा कौन सा प्लान है जिसमें लोगों के पैसे काफी कम दिनों में डबल हो जाते हैं? या कहे तो इनके हाथ न जाने कौन सा अलादीन का चिराग लग गया है जिसने इन्हें 6 महीने में करोड़पति बना दिया है? और लगातार जिससे यह करोड़ों कमा भी रहे हैं और बांट भी रहे हैं जबकि यह एक सामान्य परिवार से आते थे अचानक कब इसकी संपत्ति बढ़ी और कब यह करोड़पति बना किसी रहस्य से कम नहीं है यह मामला, इस रहस्य का पता कोई भी जांच एजेंसी नहीं लगा पा रही है और साथ ही पुलिस तो शिकायत के इंतजार में बैठी है, यदि यह रहस्य पूरी तरीके से वैध है और असफाक उल्लाह का व्यवसाय पूरी तरह जायज है तब तो इन लोगों को इस रहस्य को सबको बताना चाहिए पर यदि यह रहस्य अवैध की इमारत पर टिका है तो फिर इस पर कार्यवाही भी होनी चाहिए, कुछ मुस्लिम कंट्री से भी इनके तार जुड़े हुए हैं ऐसा विशेष सूत्रों का मानना है, पर सबसे आश्चर्य की जो बात है कि हमारे प्रदेश में कई जांच एजेंसियां मौजूद है साथ ही स्थानीय पुलिस भी है पर इस रहस्य का कोई पता लगाने की गुस्ताखी क्यों नहीं कर रहा पुलिस सेट होती दिख रही है तो वहीं जांच एजेंसी का इसमें दखल ना देना कुछ अलग ही इशारे कर रहा है, ऐसा लग रहा है कि इसके पीछे कोई बहुत बड़ी ताकत काम कर रही है, कहीं वर्तमान सरकार के नेता भी तो इसमें अपने हाथ काले नहीं कर रहे हैं यह भी एक सवाल है। वैसे प्रदेश में महादेव सट्टा मामला फिर शिव साहू का मामला फिर असफाक उल्लाह का मामला ऐसा मामला फिर से देखने को मिल रहा है जिसके बाद यह लगने लगा है की प्रदेश में चिट फंड कंपनियों की फिर वापसी हो गई है और यह आगे और बड़े स्तर पर जारी होने वाला है क्योंकि जिम्मेदार विभाग मामले में मौन हैं और उनकी नींद तब टूटेगी जब प्रदेश के लोगों का बड़ा नुकसान हो चुका होगा।

खबरों से असफाक उल्लाह के पास पैसे लगाने वाले हुए सजग सचेत,पैसा वापस मांगने लोग पहुंचने लगे असफाक उल्लाह के पास

असफाक उल्लाह जिस हिसाब से लोगों के निवेश पर उन्हे फायदा दे रहे हैं उसे देखते हुए कहा जा सकता है की उनका व्यवसाय चिटफंड जैसा ही व्यवसाय है और तभी वह लोगों को निवेश पर काफी मोटा फायदा पहुंचा रहे हैं और आगे चलकर चिटफंड कंपनियां लोगों का पैसा लेकर भागती ही हैं जो देखा जाता रहा है। असफाक उल्लाह के व्यवसाय को लेकर घटती घटना की खबरों के बाद अब लोग सजग सचेत होने लगे हैं और अपना पैसा वह वापस मांग रहे हैं जो उन्होंने बड़े लाभ के लालच में असफाक उल्लाह के पास निवेश कर रखा है। बताया जा रहा है की खबरों के बाद असफाक उल्लाह के व्यवसाय की सच्चाई लोग समझने लगे हैं और उन्हे कोरिया में हुए इसी तरह के एक गड़बड़ झाले का भी ज्ञान हुआ और तभी से लोग अपना पैसा वापस मांगने पहुंच रहे हैं। असफाक उल्लाह के व्यवसाय का सच जैसे जैसे लोगों के समाने आएगा और जैसे ही लोग यह समझ जायेंगे की किसी व्यवसाय में इतना मुनाफा इतनी जल्द नही मिलता केवल चिटफंड के अलावा जो बाद में भाग ही जाती हैं तब और भी ऐसे लोग उसके पास पहुचेंगे और अपना पैसा वापस मांगेंगे। असफाक उल्लाह का सच वैसे लोग खबरों के बाद समझने लगे हैं और वह अब सचेत भी होने लगे हैं।

कही बसदेई पुलिस का संरक्षण तो नहीं?

वैसे असफाक उल्लाह अपना व्यवसाय एक सिंडीकेट की तरह चला रहे हैं और उनके लिए पैसे की व्यवस्था लोगों को लालच देकर करने का काम उसके गुर्गे कर रहे हैं जो चंद पैसे के लाभ की चाहत में लोगों की गाढ़ी कमाई जीवन भर की कमाई को ऐसे जगह निवेश करने उन्हे प्रेरित कर रहे हैं जहां निश्चित हानि तय है। असफाक उल्लाह का कारोबार सूरजपुर जिले के बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले एक ग्राम से संचालित है जहां हाल ही में जुएं फड़ पर छापा पड़ा था और वहां जुआडियो को पुलिस तब पकड़ने में सफल हो पाई थी जब बसदेई पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों को जुआ फड़ पर कार्यवाही की बात नहीं बताई गई थी और अन्य थाना क्षेत्र की पुलिस टीम से तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही करवाई थी तब जाकर जुआड़ी पकड़े गए थे और काफी मोटी रकम भी बरामद हुई थी। तब बड़े स्तर पर जुआ फड़ के संचालन को संरक्षण देने का बसदेई पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों पर आरोप भी लगा था और इसलिए उन्हे कार्यवाही से दूर रखा गया और तभी कार्यवाही सफल हुई थी,असफाक उल्लाह का व्यवसाय भी संरक्षण प्राप्त व्यवसाय हो सकता है यह भी संभावना बताई जा रही है।

पैसा कैसे दुगना कर रहे हैं कुछ ही दिन में असफाक उल्लाह क्या पुलिस लगा पाएगी पता ?

असफाक उल्लाह लोगों का पैसा जो उनके पास निवेश कर रहे हैं जल्द ही दुगना करने का वादा कर रहे हैं। लोगों को वह उनके निवेश पर निश्चित साथ ही बड़ा मुनाफा और साथ ही महंगी कार भी उपहार में प्रदान कर रहे हैं। अब वह कौन सा ऐसा व्यवसाय कर रहे हैं,कौन सी फैक्ट्री का वह संचालन कर रहे हैं या कौन सी कंपनी के वह मालिक हैं जहां केवल मुनाफा हो रहा है वह भी इतना की वह लोगों को भी निवेश पर लखपति करोड़पति बना दे रहे हैं। वैसे अब देखना यह है की क्या जल्द ही पुलिस असफाक उल्लाह के पैसा दुगना करने की स्कीम का पता लगा पाती है या वह इस व्यवसाय की जांच का प्रयास ही नहीं करती है। वैसे यदि लोगों का पैसा डूबता है जो असफाक उल्लाह के पास लोगों ने लालच में आकर निवेश किया है तो जितनी गलती जितना दोष असफाक उल्लाह ,उसके लिए काम करने वाले प्रचारक उसके गुर्गे,सहित पैसा निवेश करने वालों का माना जायेगा...उतना ही पुलिस का भी माना जायेगा...जिसने असफाक उल्लाह के उस कारोबार की जांच ही नहीं करनी चाही जिसमे सीधे सीधे दोष समझ में आता था। वैसे खबरों के बाद भी पुलिस का मामले में मौन रहना यह बताता है की असफाक को संरक्षण मिला हुआ है वह किसने दिया है यह असफाक उल्लाह ही बता सकते हैं ,और असफाक उल्लाह बड़ा झोलझाल कर पहले की चिटफंड कंपनियों की तरह ही फरार भी होंगे जो लगभग तय है।

असफाक उल्लाह कैसे बने कम समय में करोड़पति,क्या इस राज से उठ सकेगा पर्दा ?

असफाक उल्लाह ग्रामीण क्षेत्र के एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के सदस्य के रूप में कुछ समय पूर्व तक रहते चले आ रहे थे। कुछ ही समय में वह करोड़पति हो गए विदेशी गाड़ियों की उनके यहां लाइन लगने लगी और वह लोगों को महंगी गाडियां और लोगों को उनके निवेश पर पैसा दुगना कर देने लगे। यह सब कुछ कम समय में ही कैसे संभव जो सका क्या इसकी जांच इसका रहस्य उजागर होगा यह बड़ा सवाल है। वैसे असफाक उल्लाह जिस तेजी से करोड़पति बने लोगों को वह करोड़पति बना रहे हैं उसको देखकर कहा जा सकता है की ऐसा केवल अलादीन के चिराग वाले जिन्न के भरोसे ही संभव हो सकता है सही रास्ते से वरना रास्ता गलत होने पर ही इस तरह जल्दबाजी में करोड़पति बना जा सकता है।

क्या पुलिस को असफाक उल्लाह ने ले रखा है अपने प्रभाव में,क्या वह कर रखें हैं सभी का हिस्सा तय ?

असफाक उल्लाह कम समय में करोड़पति बनने वाले लोगों को पैसा दुगना करके देने वाले ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी सफलता को जैसे पंख लगे हों और वह आसमान की ऊंचाइयां ही छूती जा रही हैं और कहीं रोक टोक नहीं है न ही कोई पूछने जांचने वाला की इस तरह जल्द सफलता कैसे मिलती जा रही है।

वैसे खबरों के प्रकाशन के बाद भी पुलिस का मामले में ध्यान न देना,असफाक उल्लाह के व्यवसाय की जांच न करना यह संदेह उत्पन्न करती है क्या कहीं मामला हिस्सा तय वाला तो नहीं क्या पुलिस असफाक उल्लाह के प्रभाव में तो नहीं। वैसे बसदेई पुलिस चौकी में पहले भी जुआ फड़ बड़े स्तर का पकड़ा गया था और तब भी स्थानीय पुलिस की संलिप्तता की बात सामने आई थी जो लगभग सच साबित हुई थी और जुआ फड़ कार्यवाही में जब स्थानीय पुलिस को दूर रखा गया था वह भी इस बात का सबूत था की स्थानीय पुलिस को जुआ फड़ पर कार्यवाही की यदि खबर भी लगी होती जुआ फड़ पर कार्यवाही असफल साबित होती। वैसे बसेदेई पुलिस चौकी प्रदेश का हाई प्रोफाइल पुलिस चौकी तबसे हो चुका है जबसे वर्तमान चौकी प्रभारी प्रभार में पहुंचे हैं।

अशफाक उल्लाह नहीं लौटा पा रहा लोगों का पैसा, बहुत जल्द हो सकती है इसकी शिकायत : सूत्र

सूत्रों की माने तो असफाक उल्लाह के द्वारा अब लोगों का पैसा नहीं लौटाया जा रहा है,वह पैसा लौटा पाने में असफल साबित हो रहा है क्योंकि लोग एकाएक उससे पैसे की मांग करने पहुंच रहे हैं जबसे लोगों को ठगे जाने का एहसास हुआ है। जो लोग पैसे मांगने पहुंच रहे हैं उन्हे असफाक उल्लाह टालता हुआ देखा जा रहा है उन्हे समय दे रहा है।

अब उसकी शिकायत होने वाली है पैसे वापसी नहीं करने के मामले में।

अशफ़ाक उल्लाह के गुर्गे बोलते फिर रहे हैं की जिला प्रशासन को व आयकर विभाग को सेट कर लिए हैं...

असफाक उल्लाह के लिए काम करने वाले उसके गुर्गे अब बोलते फिर रहे हैं की असफाक उल्लाह ने आयकर विभाग और जिला प्रशासन को सेट कर लिया है और सभी को उनका हिस्सा भेजा जा रहा है जिससे असफाक की जांच मुश्किल है वहीं वह चिटफंड मामले में कभी नहीं फंसेगा भले लोगों का पैसा डूब जाए। वैसे उसके गुर्गे केवल ऐसा बोलकर एक माहौल बना रहे हैं...जिससे की लोग जो निवेश कर रहे हैं वह निवेश बंद न करें वरना असफाक दिवालिया हो जायेगा और जल्द उसका भांडा फूट जायेगा। अब देखना है की ऐसा बोलने के बाद क्या प्रशासन और आयकर विभाग एक्सन लेता है।

अशफ़ाक पहले था लोफर और अचानक बन गया करोड़पति

अशफ़ाक उल्लाह के गांव के लोग ही जानकारी दिए कि असफाक उल्लाह सात आठ महीना पहले गांव में बाइक से लोफर की तरह घूमता था अचानक ही इसकी संपत्ति बढ़ गई और रहन-सहन बदल गया,मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले असफाक उल्लाह की पुश्तैनी जमीन तकरीबन 9 से 10 एकड़ थी पर अभी जमीन की भी खरीदी खूब हुई है साथ ही करोड़ों का ऑफिस दुकान भी तैयार कर लिया गया है वहीं साथ ही महंगी महंगी गाड़ियां भी अचानक उसके घर की शोभा बढ़ाने लगी हैं यही से अशफ़ाक उल्लाह नाम के व्यक्ति की कहानी शुरू हुई, अशफ़ाक उल्लाह पूरी तरीके से आशा है कि उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होगी क्योंकि उसके खिलाफ कोई शिकायतकर्ता नहीं मिलेगा पर वहीं कई गरीबों का पैसा भी उसके पास लगा हुआ है जो लौटा नहीं पा रहे हैं वहीं कुछ लोग इस उम्मीद में बैठे हैं कि शिकायत कर देंगे तो पैसा डूब जाएगा इसीलिए वह पैसा निकालना व निकालने का इंतजार कर रहे हैं।

क्या क्षेत्रीय विधायक साथ ही कैबिनेट मंत्री के खास हैं असफाक उल्लाह इसलिए वह बच पा रहे हैं चिटफंड मामले से ?

जानकारों की मानें तो असफाक उल्लाह क्या क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री के खास हैं इसलिए उनके ऊपर कार्यवाही नहीं हो रही है चिटफंड जैसे व्यवसाय संचालन मामले में। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि आदर्श आचार संहिता के दौरान जब राजनीतिक बैनर पोस्टर जिला प्रशासन द्वारा हटाए जा रहे थे तब असफाक उल्लाह के भी पोस्टर बैनर हटाए गए जिसमे स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री की तस्वीर लगी हुई थी उन्हे बधाई देते पोस्टर बैनर थे वह जो असफाक उल्लाह ने लगवाए थे। वैसे मंत्री सहित स्थानीय विधायक का उनके ऊपर आशीर्वाद है यह साबित करने के लिए बैनर पोस्टर लगवाए गए थे और जिन्हे आचार संहिता के दौरान हटाया गया।

पूर्व प्रभारी डीपीएम अपने खिलाफ हो रही जांच में पाए जाएंगे पाक-साफ, क्योंकि घंटों जांच अधिकारी के साथ बैठकर जांच को अपने पक्ष में कराने में है जुटेःसूत्र

» कलेक्टर कोरिया के कार्यालय में जांच अधिकारी के सामने बैठकर क्या पूर्व डीपीएम अपना जांच प्रभावित कर लेंगे?

» तय है जांच को जिला प्रशासन करेगा प्रभावित

- रवि सिंह -
कोरिया/सूरजपुर,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

क्या कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग के पूर्व प्रभारी डीपीएम के प्रभाव में पूरा प्रशासन सहित जनप्रतिनिधि हैं, सभी उनके सामने नतमस्तक हैं? यह काफी महत्वपूर्ण सवाल है क्योंकि यह सवाल कोरिया के पूर्व प्रभारी डीपीएम से जुड़ा हुआ है प्रभारी डीपीएम का प्रभाव इतना है की जांच प्रभावित होना तो तय माना जाएगा, क्योंकि सूरजपुर जिले में पदस्थापना लेने के बावजूद भी कोरिया कलेक्टर कार्यालय में गठित जांच अधिकारी के सामने बैठकर जांच करवा रहे हैं, अब ऐसे में जांच निष्पक्ष कैसे होगी यह बड़ा सवाल है? जहां प्रभारी डीपीएम को अपने कार्य स्थल सूरजपुर में होना चाहिए, वहां पर कुछ समय ही दे रहे हैं बाकी समय आज भी वह कोरिया में रहकर अपने खिलाफ हो रही जांच को प्रभावित करने में दे रहे है, ऐसे में जांच प्रभावित होना तय है ऐसा माना जा रहा है क्योंकि कलेक्टर भी अपनी आंख उनके लिए बंद कर चुके हैं?

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोरिया के पुर्व डीपीएम सुरजपुर छोड़ ज्यादा समय कोरिया में घूमते नज़र आ रहे है ज्यादा समय वो दिन में कलेक्टर कार्यालय में देखे जा सकते है। मंगलवार को काफी समय तक कलेक्टर द्वारा बनाई जांच समिति के जांच अधिकारी विनय कुमार कश्यप के चेम्बर में बैठे नजर आए डॉक्टर प्रिंस जायसवाल। कोरिया जिले में अक्टूबर 2022 से अब तक स्वास्थ्य विभाग के रेगुलर और एनएचए मद में बड़ा घोटाला हुआ है, परंतु जिला प्रशासन ने कई शिकायतों के बाद भी जांच नही करवाई, कांग्रेस सरकार में स्वास्थ्य विभाग में हुए घोटालों की जांच नही की गई, सरकार बदली भाजपा की सरकार आई, परंतु जिला प्रशासन ने तमाम शिकायतों की जांच की और कुछ नही हुआ, तब वर्तमान मुख्यमंत्री से शिकायत कीं गई जांच के लिए एनएचएम के डायरेक्टर को निर्देश दिए गए और डायरेक्टर ने वापस कलेक्टर कोरिया को निर्देशित कर दिया, जबकि शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री से मांग की कि उनकी शिकायत की जांच जिला प्रशासन से नही करवाई जाए क्योंकि डीपीएम के बारे में हर कोई जानता है कि वो कलेक्टर कोरिया का खास है एकदम करीबी है, इधर कलेक्टर ने जांच में ऐसे अधिकारी को नियुक्त कर दिया जो कांग्रेस शासनकाल में विधायकों के खास थे जिन्हे लेकर पक्ष विपक्ष दोनों ने आंदोलन किया था वहीं उन्हे जांच अधिकारी बनाने के पीछे की वजह यह है ताकि जांच से डीपीएम को बचाया जा सके, और यह बात सही भी हो रही है, जिसकी जांच जो जांच अधिकारी कर रहा है वो उसी के चेम्बर में मंगलवार को 4 बजे से 6 बजे तक बैठा रहा और जांच को प्रभावित कर रहा है।

सोमवार को पहुंच गया सिटी स्कैन मशीन कक्ष में

विश्वस्त सूत्रों की माने तो सोमवार को एसडीएम बैकुण्ठपुर जिला अस्पताल में स्थित सिटी स्कैन मशीन के कक्ष में पहुंची, पीछे से सुरजपुर डीपीएम भी तुरंत पहुंच गए एसडीएम ने उससे पूछा भी आप कब जाओगे सुरजपुर तो उसने तपाक से कहा कि मैं 12 बजे सुरजपुर जाता हूँ। जानकारों कीमानें तो आप एक संविदा कर्मचारी की पहुंच का अंदाजा लगा सकते हैं। कहने तो उन्हें सुरजपुर में भेजा गया है पर अधिकारियों की चाटुकारिता करके कैसे भी अपनी जांच को प्रभावित कर रहा है। और इसमे उसका साथ जिला प्रशासन दे रहा है।

जांच में ड्रग कंट्रोलर नही रखा गया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर आई जांच में कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई जिसमे डिप्टी कलेक्टर विनय कश्यप, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी ए एन सिंह और जिला कोषालय अधिकारी को टीम में रखा है, जबकि कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की और छोटी से छोटी जांच में ड्रग कंट्रोलर को भी टीम में रखा था पर इस जांच में जिसमे करोड़ो का घोटाला तमाम दवाओं की खरीदी की गई है उंसमे ड्रग कंट्रोलर नही रखा जाना जानबूझकर जांच प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

जांच अधिकारी दोस्त

पूर्व डीपीएम डॉ प्रिंस जायसवाल से जांच अधिकारी विनय कश्यप की बढ़िया दोस्ती है, वही जिला आयुर्वेद अधिकारी ए एन सिंह से सीएमएचओ डॉ सेंगर का व्यबसायिक रिश्ता है, डॉ सेंगर निजी आंख के ऑपरेशन महलपारा स्थित क्लीनिक में करते है, सीएमएचओ और पूर्व डीपीएम की जांच के लिए आई जांच सीएमएचओ की ही नोटशीट पर मनमर्जी जांच टीम बनाकर जांच को प्रभावित किया जा रहा है।

कलेक्टर कार्यालय का सीसीटीवी फुटेज भी देखा जा सकता है- कलेक्टर कार्यालय में सीसीटीवी लगा हुआ है,डॉक्टर प्रिंस जायसवाल कब-कब जांच के दौरान जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे किस-किस अधिकारी के चेंबर में वह दाखिल हुए कितने समय बाहर निकले यह सीसीटीवी फुटेज देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वैसे डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के जांच मामले में यह फुटेज भी देखना चाहिए क्योंकि खुद को पाक-साफ बताकर लोगों को कानूनी नोटिस भेजने वाले भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति के द्वारा किस तरह प्रभाव का उपयोग करते हुए अपने खिलाफ हो रही जांच को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है और जिसमे जांच अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उसका साथ दे रहे हैं।

वैसे यदि सीसीटीवी फुटेज देखी जाए तो निश्चित रूप से मामले में देखा जायेगा की कैसे स्वास्थ्य विभाग को दीमक की तरह चाट चुके एक उसकी उन्नति का जिम्मा सम्हालने वाले को अब खुद को बचाने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

जांच प्रभावित करने के उद्देश्य मुख्य बिंदु

हाल में कलेक्टर द्वारा जेडीएस की जांच करवाई जा रही थी जिसमे ड्रग कंट्रोलर को शामिल किया था जबकि बमुश्किल 20 लाख रुपये का लेनदेन होगा, और इधर करोड़ो के लेनदेन में ड्रग कंट्रोलर को जांच में शामिल नही करना सीधे सीधे जांच प्रभावित करने की मंशा बताई जा रही है।

विधायक पर आरोप लगाने वालों को जनपद अध्यक्ष बैकुंठपुर ने दिया जवाब

» जब ग्रामीण क्षेत्र का विकास पूर्व विधायक अम्बिका सिंहदेव ने रोक रखा था तब कहां थे आपः सौभाग्यवती

- संवाददाता -
कोरिया,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत बैकुंठपुर की अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह कुसरो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की भ्रष्टाचार के मामले में शिकायत के आधार पर नगर पालिका परिषद शिवपुर चर्चा के वित्तीय अधिकार पर राज्य शासन द्वारा रोक लगाई गई है जिस संबंध में पूर्व विधायक व नगर पालिका अध्यक्ष लालमुनि यादव के द्वारा प्रेस वार्ता कर स्थानीय विधायक भईयालाल राजवाड़े के ऊपर मनगढ़ंत विकास रोके जाने का आरोप लगाकर अपनी गलती व भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास किया जा रहा है जब जनपद पंचायत के ग्रामीण क्षेत्र के विकास को पूर्व विधायक अम्बिका सिंहदेव के द्वारा एक तानाशाह अधिकारी के साथ मिलकर 1 वर्ष तक रोक रखा था जिसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों ने व भईयालाल राजवाड़े ने लड़ाई लड़कर विकास कार्य को गति प्रदान की थी इस लड़ाई में भईयालाल राजवाड़े के ऊपर गलत आरोप लगाकर जब उनका पुतला दहन नगर पालिका अध्यक्ष लालमुनी यादव के द्वारा ही किया जा रहा था तब अध्यक्ष को क्षेत्र का विकास याद नहीं आया, आज जब सरकार द्वारा उनके भ्रष्टाचार मे लगाम लगाने के लिए वित्तीय अधिकार छिना गया तो अध्यक्ष को विकास याद आ रहा है अध्यक्ष को याद होना चाहिए की भईयालाल राजवाड़े जी ने चरचा के अलावा पूरे क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है।

क्या 15 साल सत्ता में रहने वाली भाजपा 5 साल में सत्ता चलाना भूल गई?

» 15 साल बाद प्रदेश की सत्ता में वापसी करने वाली भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में बदली-बदली सी नजर आ रही है...

» चुनाव आयोग के आदेश निर्देशो का भी पालन ट्रांसफर पोस्टिंग में नही किया...

» ट्रांसफर पोस्टिंग कांग्रेस के तर्ज पर किया गया...

- विशेष संवाददाता -
सरगुजा/रायपुर 19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के बाद से सबसे ज्यादा यदि किसी पार्टी ने प्रदेश में राज किया है तो वह भाजपा ने प्रदेश की सत्ता पर अपना कब्जा जमाया है जिसने 15 साल लगातार छत्तीसगढ़ की बागडोर पहले सम्हाली और इसके बाद 5 साल कांग्रेस ने वहीं पांच साल के वनवास का बाद फिर भाजपा के सत्ता में वापसी कर ली,लेकिन यदि देखा जाए तो भाजपा के पास 15 साल सत्ता चलाने का अनुभव है जो अनुभव काफी लंबा अनुभव है लेकिन सवाल यहां यह उठता है कि क्या 15 साल के अनुभव वाली सरकार इस समय अपना अनुभव नहीं दिखा पा रही है, अनुभवहीनता देखने को मिल रही है, ऐसा लग रहा है कि सरकार नई नवेली है जबकि उनके पास 15 साल का अनुभव है और डबल इंजन की सरकार है फिर भी जनता की भरोसे वाली सरकार इस बार जनता के हित में नहीं सरकारी तंत्र के हित में दिख रही है, जिस भारतीय जनता पार्टी ने 15 साल सरकार चलाई साथी इस 15 साल में तीन बार चार बार विधानसभा व तीन बार लोकसभा चुनाव कराया पर कभी भी चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना देखने को नहीं मिली पर इस बार लोकसभा चुनाव में मौजूदा सरकार चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना करते दिखाई दी चुनाव आयोग ने सख्त निर्देश दिया था कि कोई भी स्थानांतरण लोकसभा क्षेत्र के बाहर किया जाना है पर लोकसभा तो दूर सिर्फ जिला ही स्थानांतरण प्रकरणों में बदले गए वहीं सभी एक ही लोकसभा में लगभग स्थानांतरण देखने को मिले जिसे लेकर माननीय उच्च न्यायालय में भी संज्ञान लिया गया और स्थानांतरण को निरस्त करने की बात कही गई पर सवाल यह उठता है कि सरकार क्या तजुर्बाहीन है या फिर ट्रांसफर पोस्टिंग में कांग्रेस की तर्ज पर ही काम कर रही है जब भाजपा विपक्ष में थी तो कांग्रेस के ट्रांसफर पोस्टिंग पर सवाल उठाती थी पर आज उसी तर्ज पर ट्रांसफर पोस्टिंग कहीं ना कहीं भाजपा के लिए भी सवाल है।

ट्रांसफर पोस्टिंग पुरानी सरकार के तर्ज पर

भाजपा अपने पीछ्ले कार्यकाल में पंद्रह वर्ष तक कभी गलतियां करती नजर नहीं आई। भाजपा सरकार का पिछ्ला पंद्रह वर्षीय कार्यकाल प्रशासनिक मामलों में काफी कसावट वाला माना जाता था और प्रशासनिक निर्णयों में ट्रांसफर पोस्टिंग में कभी कोई मामला ऐसा नजर नहीं आता था जिसको लेकर आरंभ में ही लोग न्यायालय की शरण में जाते रहे हों या फिर न्यायालय ने ही संज्ञान लिया हो, पांच साल का बीच में अंतराल क्या हुआ भाजपा पुनः सत्ता में वापसी कर अब कांग्रेस के पिछ्ले पांच सालों का कार्यकाल के हिसाब से काम कर रही है जो देखने को मिल रहा है। ट्रांसफर पोस्टिंग में देखा जा रहा है की कांग्रेस शासनकाल के तर्ज पर भर्राशाही शुरू हो गई है जिसमें माननीय उच्च न्यायालय को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है वहीं निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उलंघन किया गया है, चुनाव आयोग का निर्देश था की ट्रांसफर चुनाव के मद्देनजर अधिकारियों के लोकसभा क्षेत्र से बाहर किए जाएं लेकिन जब ट्रांसफर किए गए लोकसभा क्षेत्र के अंदर ही ट्रांसफर किए गए जो देखने को मिला।

प्रदेश वासियों के नजरिए में वर्तमान सरकार की छवि कैसे सुधारें इस पर बिल्कुल भी जोर नहीं

कांग्रेस को प्रदेश में पांच साल का ही कुल मौका प्रदेश की जनता ने प्रदान किया जिसके पीछे की वजह यह रही की कांग्रेस शासनकाल में सरकार को लेकर जनता का नजरिया अच्छा नहीं रहा वहीं प्रशासन सहित नौकरशाही हावी रही और अवैध कारोबार जमकर फले फूले। कुल मिलाकर कांग्रेस ने सरकार की छवि को लेकर काम नहीं किया। अब वही भाजपा सरकार के प्रारंभिक कार्यकाल में देखने को मिल रहा है। प्रदेश में अवैध कारोबार रोकने की कवायद बिल्कुल नहीं की जा रही है बशर्ते उन्हे आश्रय दिया जा रहा है साथ ही प्रशासन शासन की छवि भी प्रदेशवासियों के समाने अच्छी नहीं जा रही है जिसकी वजह से सरकार की ही छवि को झटका लग रहा है। सरकार छवि सुधारने के मामले में ध्यान नहीं दे रही है जो देखा जा रहा है। जो कांग्रेस शासनकाल में मजे में थे जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप थे उनमें से अधिकांश को भाजपा शासन में भी मौका दिया जा चुका है जो वर्तमान सरकार की साख पर बट्टा लगाने का काम कर रहे हैं।

क्या मंत्रियों विधायकों के लिए उनकी कमाई ही महत्वपूर्ण या प्रदेश के उनके क्षेत्र के लोगों का भरोसा भी उनकी प्राथमिकता?

प्रदेश के भाजपा के निर्वाचित विधायक मंत्रियों की प्राथमिकता क्या है यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है,देखने में आ रहा है की सभी के लिए उनकी कमाई महत्वपूर्ण है प्रदेश की जनता को अनाज और आवास देकर ही उनका वह ख्याल रखने वाले हैं संतोष का मंत्र उनके लिए वह बताने वाले हैं ,प्रदेश की जनता की उन्नति और उनकी तरक्की कतई प्राथमिकता नजर नही आ रही है जो देखने को मिल रहा है। जनता का भरोसा और उनका विश्वास उन्हे मुफ्त योजनाओं के भरोसे ही देना चाहते हैं विधायक मंत्री,वैसे प्रदेश की जनता का भरोसा बिना जीते वर्तमान भाजपा सरकार का राह आसान नहीं है।

कुछ विधायक मंत्रियों के बदले तेवर,पूर्व कांग्रेस शासनकाल के विधायक मंत्रियों की तर्ज पर कर रहे काम

कुछ विधायक मंत्रियों के तेवर बदले नजर आ रहे हैं,वह पूर्व कांग्रेस शासनकाल के मंत्रियों विधायकों के ही तर्ज पर काम करते नजर आ रहे हैं। भ्रष्टाचार मामलों में वह मौन हैं,जिन्हे पूर्व कांग्रेस शासनकाल में मंत्रियो विधायकों ने लूट खसोट के लिए अपने पास रखा था उन्हे ही कुछ वर्तमान ने भी अपने पास रखा है,मुंह से बड़ी बड़ी बातें और सुशासन की घोषणाएं करने वाले विधायक मंत्री अब सुशासन के विपरीत चलते नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर प्रदेश की जनता को जो सब्ज बाग दिखाकर सत्ता में वापसी कर पाए वर्तमान सरकार के नुमाइंदे वह अब अपने वादे भूल अपने हित साधने में ही लगे हैं,उन्हे क्षेत्र की और प्रदेश की जनता की फिक्र से ज्यादा अपनी और अपने परिजनों की फिक्र है।

कोतवाली पुलिस ने अगवा कर पैसा की मांग करने वाले लंबे समय से फरार आरोपियों को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा,19 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा थाना कोतवाली कोरबा में दिनांक 15.06.2023 को प्रार्थी अभिषेक तुली पिता सतीश तुली उम्र 24 वर्ष साकिन दुरपा रोड कोरबा, थाना कोतवाली उपस्थित आकर जबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक 14.06.2023 को अपने दोस्त सागर के साथ घर के पास बैठा था कि उसी समय चीना पाण्डेय का फोन आया,जो बोला कहां है बेटा, तो प्रार्थी सागर के घर के पास बैठा हूँ बताया तो वह वही रूकने बोला । तब डर कर अपनी स्कूटी से घर जाने निकला रात्रि करीबन 11.00 बजे लवली केयर स्कूल के पास पहुंचा था, कि दो बाइक में कोमल पटेल, गौतम, आलोक उर्फ सोना, कृष ऊर्फ गोलू एवं पाण्डया दोनों तरफ से आकर प्रार्थी के स्कूटी के सामने बाइक को अड़ा दिया और पांड्या पीछे स्कूटी में बैठ गया।

उसके बाद वे लोग जबरदस्ती धमकी देते हुए अगवा कर चीना पाण्डेय के गौशाला लेकर आये। वहां पर पहले से चीना पाण्डेय, गोपू पाण्डेय, नीशू, राहुल ऊर्फ मोटू एवं कई लड़के थे। चीना पाण्डेय पहले भी दो तीन बार गुण्डा टैक्स के रूप में 5000?, 10000? ले चुका है,जो देखते ही पैसे की मांग किया । लेकिन इस बार प्रार्थी के पास पैसे नहीं होने से नहीं देने पर गौशाला अंदर बंद कर बेल्ट, डंडे से मारने लगे। पूरा कपड़ा उतार दिये थे और बोले कि अपने घर से दस हजार रूपये मंगवा नहीं तो तेरा खेल खत्म कर देंगे । तब प्रार्थी अपने पत्नी को फोन लगाया और उसे बताया कि चीना पाण्डेय लोग मुझे अगवा कर गौशाला में लाकर कमरे में बंद कर दिये है,तुम लोग दस हजार रूपया लेकर आ जाओ नहीं तो ये लोग मुझे जान से मार देंगे। गोपू पाण्डेय बीयर की बोतल से प्रार्थी के सिर पर मारा,

उसे बोला इतना क्यों मार रहे हो इससे अच्छा है की जान से खत्म कर दो । गोपू पांडे बोला तेरे को मरने का शौक है । गोपू पांडे, कोमल पटेल, सोना गौतम कृष उर्फ गोलू मुझे मारते हुए नदी ले गए और सभी ने मेरे साथ बेल्ट, डंडा से मारपीट किए । नदी में मेरी गर्दन दबाकर पानी में डूबा दिए थे, उसी समय एक लड़का वहां पर आया और बोला चलो चीना पांडे भैया बुला रहे हैं । तब मुझे फिर से गौशाला लेकर आए उसके बाद मुझे कमरे में बंद कर दिए और कमरे के बाहर बैठे शराब पी रहे थे । कुछ देर बाद चीना पांडे बोला कि मेरे घर में पुलिस आई है तो वहां से सभी भाग गए । मोनू साहू, राहुल मोटू निशु मुझे धमकी दिए कि पुलिस वालों को कुछ भी बताया तो पूरे परिवार और तुझे जान से मार देंगे। कोतवाली थाना के सामने रात्रि करीबन प्रार्थी को 2ः00 बजे छोड़ दिए तब प्रार्थी अपनी पत्नी के साथ थाना में रात्रि 02.00 बजे थाना में रिपोर्ट दर्ज किया । प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर कायम कर विवेचना की जा रही थी। प्रकरण के आरोपीगण लंबे समय से फरार थे, कि आरोपियों को पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस.चौहान ,नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली के द्वारा टीम गठित कर आरोपियों को घेराबंदी कर पुरानी बस्ती कोरबा से आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध कारित करना स्वीकार किए जाने पर, आरोपियों 01. गोपू उर्फ प्रकाश पांडे पिता स्वर्गीय राकेश पांडे उम्र 32 साल साकिन ब्राह्मण मोहल्ला थाना कोतवाली कोरबा 02. गोलू क्रिश उर्फ विकास दास पिता स्वर्गीय मुकरीत दास उम्र 27 साल साकिन पुरानी बस्ती नीम चौक कोरबा 03. ?बाबुल जायसवाल उर्फ पांड्या पिता रामकुमार जायसवाल उमर 19 साल साकिन पुरानी बस्ती सिंधी मोहल्ला कोरबा को अपराध क्रमांक 360/2023 धारा 365, 384, 364 ए, 323, 506, भादवि के तहत विधि अनुरूप गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया । आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी एम.बी.पटेल के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक टांकेश्वर यादव, सहायक उप निरीक्षक अजय सिंह आरक्षक चंद्रकांत गुप्ता, आरक्षक नवरतन सिदार, कवल चंद्रा की सराहनीय भूमिका रही।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक- 13/03/2024

प्रति
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-तिरकेला
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विदेश मिंज आ0 स्व0 रिंगटू राम निवासी ग्राम तिरकेला/चिडरापारा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व0 रिंगटू राम की मृत्यु दिनांक 02/04/2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 02/04/2024 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 14/04/2024 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील
तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका छन्नू देवी पति उमेश सहानी निवासी वार्ड नम्बर-09 नियर पावर हाउस नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला नमनाकला नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 13 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 243/63 रकबा 1211.54 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

अतः भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/04/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/03/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

संक्षिप्त खेल समाचार

डेब्यू मैच में सुमित नागल फाइनल क्वॉलीफाइंग राउंड में पहुंचे

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मियामी ओपन में अपने पदार्पण मैच में कनाडा के गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में हराकर शानदार शुरुआत की। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने गजब का धैर्य और जज्बा दिखाया तथा क्वालीफायर के पहले दौर में डायलो को 7-6(3) 6-2 से पराजित किया। पिछले महीने चेन्नई ओपन की जीत के बाद विश्व के शीर्ष 100 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले नागल अगले दौर में कोलमैन वोंग का सामना करेंगे। नागल ने पहले सेट को टाई ब्रेकर में जीतने के बाद दूसरे सेट में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने इस सेट के पहले और सातवें गेम में डायलो की सर्विस तोड़ी। इस जीत से नागल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 92वीं रैंकिंग पर पहुंच सकते हैं।

तीन आईपीएल मैच नहीं खेलेंगे आल राउंडर हसारंगा

कोलंबो,19 मार्च 2024। आल राउंडर वानिंदु हसारंगा को 22 मार्च से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम में शामिल किया गया है जिससे वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के कम से कम पहले तीन मैच नहीं खेल पायेंगे।

नए लुक में नजर आए विराट कोहली

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। आईपीएल 2024 में विराट कोहली की वापसी का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। आरसीबी की ओर से विराट कोहली जब मैदान पर उतरेंगे, तो उनका नया लुक फैंस को देखने को मिलेगा। सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने विराट कोहली के नए हेयरकट की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। जो कुछ ही देर में वायरल हो गई हैं। विराट कोहली का मोहॉक हेयरकट तो है ही, लेकिन इसके साथ उन्होंने अपनी आइब्रो पर भी कुछ स्टाइलिंग करवाई है। जो काफी अलग नजर आ रही है।

आईपीएल 2024 से पहले बीसीसीआई का बड़ा ऐलान

करोड़ों की बारिश होगी सरफराज और ज़ुरेल पर

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के शुरू होने से ठीक पहले बीसीसीआई ने 2 युवा खिलाड़ियों को बड़ी खुशखबरी दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सरफराज खान को एक स्पेशल लिस्ट में शामिल किया है। इन दोनों खिलाड़ियों को बीसीसीआई ने साल 2023-24 की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में शामिल कर लिया है.

आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले बीसीसीआई ने विस्फोटक बल्लेबाज सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को बड़ी सौगात दी है। बोर्ड ने उन्हें साल 2023-24 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है। इन दोनों ही खिलाड़ियों को हाल ही में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का रिवॉर्ड मिला है। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के साथ खेली गई टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के बाद सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट जारी की थी, जिसमें बताया था कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को तीसरा टेस्ट खेलने के बाद सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया जाएगा।

बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल मीटिंग में इनके नामों पर मुहर लगा दी गई। इन दोनों खिलाड़ियों को अब बीसीसीआई की ओर से सालाना 1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। आपको बता दें, इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए दोनों खिलाड़ी छा गए थे। एक ओर जहां सरफराज ने 3 टेस्ट मैचों में 3 फिफ्टी लगाई, वहीं ध्रुव जुरेल ने रांची में मुश्किल परिस्थितियों में 90 और 39* रन की पारी खेली. अपने दूसरे ही मैच में जुरेल ने मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीत लिया.

बीसीसीआई 2023-24 के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में शामिल खिलाड़ियों की लिस्ट

ग्रेड ए+ -रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा.

ग्रेड ए – आर अश्विन, मो. शमी, मो. सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या.

ग्रेड बी – सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जयसवाल.

ग्रेड सी – रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, रुतुराज गायकवाड, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान और रजत पाटीदार, सरफराज खान,ध्रुव जुरेल.

जयदेव उनादकट काउंटी चैम्पियनशिप के लिए ससेक्स से फिर किया अनुबंध,खेलेंगे 5 मैच

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने काउंटी क्रिकेट चैम्पियनशिप के लिए फिर से पुरानी टीम और इंग्लिश क्लब ससेक्स से अनुबंध कर लिया है।वह इंडियन प्रीमियर लीग के बाद चैंपियनशिप के आखिरी 5 मैचों के लिए ससेक्स के साथ जुड़ेंगे।उनादकट ने पिछले सीजन में ससेक्स के लिए अंतिम 4 मैचों में से 3 खेले थे और 24.18 की औसत से 11 विकेट चटकाए थे। इससे टीम को डिवीजन-2 में तीसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली थी।

नए अनुबंध पर उनादकट ने कहा, पिछले सीजन होव में मैने लीसेस्टरशायर के खिलाफ आखिरी दिन 6 विकेट चटकाकर टीम को 15 रनों से रोमांचक दिलाने में मदद की थी। उस प्रदर्शन ने मुझे काउंटी क्रिकेट और ससेक्स में घर का अहसास कराया था।उन्होंने कहा, जब मुख्य कोच पॉल फार्ब्रेस ने मुझे इस सीजन के आखिरी चरण के लिए अनुबंध की पेशकश की तो मुझे बहुत खुशी हुई।

उम्मीद है मैं टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करूंगा।

मुख्य कोच फार्ब्रेस ने कहा, उनादकट ने पिछले सीजन बेहतरीन प्रदर्शन किया था और उम्मीद है कि वह इस सीजन भी वही लय बरकरार रखेंगे। हम सभी खुश हैं कि उनादकट आखिरी 5 चैंपियनशिप मैचों के लिए द फर्स्ट सेंट्रल काउंटी ग्राउंड लौट रहे हैं।उन्होंने कहा, उनादकट न केवल मैदान पर अपनी क्लास दिखाएंगे, बल्कि हम जो हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं उसका हिस्सा भी बनेंगे। वह एक बहुत अच्छे इंसान हैं।

उनादकट इस आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करेंगे और टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वह टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक हैं। आईपीएल संस्करण के बाद वह काउंटी चैंपियनशिप के लिए रवाना होंगे।32 साल के उनादकट ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 22 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।उन्होंने 4 टेस्ट मैचों में 77.00 की औसत और 2.92 की इकॉनमी रेट से 3 विकेट अपने नाम किए हैं।8 वनडे क्रिकेट मैचों में उन्होंने 25.00 की औसत और 3.95 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट चटकाए हैं।इसी तरह 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में उन्होंने 21.5 की औसत और 8.68 की इकॉनमी रेट से 14 विकेट लिए हैं।

पर्थ में खेला जाएगा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल के आखिर में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बहुप्रतीक्षित सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। दरअसल, 'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' की रिपोर्ट के अनुसार इस सीरीज के बाकी मैच एडिलेड, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि, एडिलेड दूसरे टेस्ट मैच जबकि ब्रिस्बेन तीसरे टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच हर बार की तरह मेलबर्न में होगा जबकि नए साल पर दोनों टीम सिडनी में अंतिम मैच खेलेंगे। एडिलेड में खेले जाने वाला दूसरा मैच दिन रात्रि का होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक अगले सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है लेकिन वह इस महीने के आखिर तक अंतिम घोषणा कर सकता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत इस साल नवंबर में हो सकती है। यह 1991-92 के बाद पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी। इससे पहले 1991-92 में भारतीय टीम को 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था।भारत ने जब 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तब पर्थ में दूसरा टेस्ट मैच खेला गया था जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 146 रन से जीता था। इन दोनों देश के बीच 2020-21 में खेली गई श्रृंखला से पहले पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ ने पर्थ को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने की अफगानिस्तान के खिलाफ टी 20 सीरीज स्थगित

एडीलेड,19 मार्च 2024। ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान में महिलाओं की खराब स्थिति का हवाला देते हुए इस साल अगस्त में अफगानिस्तान की पुरुष टीम के खिलाफ होने वाली तीन टी20 मैच की घरेलू सीरीज स्थगित कर दी है। तालिबान ने अफगानिस्तान में सत्ता में लौटने के बाद लड़कियों के स्कूल और कॉलेज जाने पर रोक लगा दी। यही नहीं उसने महिला सहायता कर्मचारियों को काम करने से रोक दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का आगामी सीरीज स्थगित करने का मतलब है कि उसने अफगानिस्तान को लेकर अपना कड़ा रवैया जारी रखा है। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले नवंबर 2021 में होबार्ट में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच को भी रद्द कर दिया था। इसके बाद उसने संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली तीन मैच की वनडे सीरीज भी स्थगित कर दी थी।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा,''पिछले 12 महीनों में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर ऑस्ट्रेलिया की सरकार के साथ परामर्श जारी रखा था। सरकार ने सलाह दी है कि अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति बदतर होती जा रही है।'' बयान के अनुसार,''इस कारण हमने अपनी पूर्व की स्थिति को बरकरार रखा है और अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज स्थगित कर देंगे।'' अफगानिस्तान आईसीसी का एकमात्र पूर्णकालिक सदस्य देश है जिसने दक्षिण अफ्रीका में खेले गए अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में अपनी टीम नहीं भेजी थी क्योंकि देश ने महिलाओं पर क्रिकेट खेलने से रोक लगा दी है।

मुंबई इंडियंस टीम से बेहरेनडॉर्फ हुए बाहर,पेसर ल्यूक वुड स्क्वॉड में हुए शामिल

मुंबई,19 मार्च 2024। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने ऑस्ट्रेलिया के चोटिल तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडोर्फ की जगह पर इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ल्यूक वुड को अपनी टीम में शामिल किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बयान के अनुसार वुड 50 लाख रुपए की कीमत पर मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे।

28 वर्षीय वुड ने अभी तक कोई आईपीएल मैच नहीं खेला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि, ल्यूक वुड चोटि जेसन बेहरेनडोर्फ की जगह लेंगे। जेसन के जल्द ठीक होने की कामना करता हैं। वुड ने सितंबर 2022 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अभी तक उन्होंने दो वनडे और पांच टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के तेज गेदंबाज वुड ने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में हिस्सा लिया। वह बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जुल्मी टीम का हिस्सा थे। वुड ने पीएसएल में कई मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। वह किफायती गेंदबाजी करने के साथ अलग-अलग परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में माहिर हैं।

शार्दुल ठाकुर के घरेलू क्रिकेट शेड्यूल पर सवाल उठाने के बाद बीसीसीआई ने बनाई समीक्षा समिति

नई दिल्ली,19 मार्च 2024। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट के शेड्यूल को लेकर एक समीक्षा समिति का गठन किया है।18 मार्च को शीर्ष परिषद ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, नेशनल क्रिकेट एकेडमी के निदेशक वीवीएस लक्ष्मण, महाप्रबंधक अबे कुरुविला और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को इस समिति में शामिल किया है।बता दें कि कुछ दिन पहले शार्दुल ठाकुर ने घरेलू शेड्यूल को लेकर कई सवाल उठाए थे।

दिग्गजों के साथ बनी समिति सबसे पहले घरेलू क्रिकेट पर मौसम के प्रभाव की समीक्षा करेगी। रणजी ट्रॉफी जो 10 मार्च को समाप्त हुई वह खराब मौसम से काफी प्रभावित रही थी।खासकर पूर्वी और उत्तरी स्थानों पर खेले गए मैचों में काफी प्रभाव पड़ा था।साथ ही यह समिति घरेलू क्रिकेट कैलेंडर की भी समीक्षा करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि खिलाड़ियों को बहुत जल्दी-जल्दी मुकाबले खेलने पड़ रहे हैं। ऐसे में उन्हें कुछ राहत मिल सके।

शार्दुल मुंबई क्रिकेट टीम के लिए इस सीजन रणजी ट्रॉफी खेले थे। तमिलनाडु के खिलाफ उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक भी जड़ा था।इसी शतक के बाद उन्होंने टाइट शेड्यूल के बारे में अपनी बात रखी थी।उनका कहना था कि 3 दिन के अंतराल के साथ बैक टू बैक मैच खेलना ठीक नहीं है। अगर ऐसे ही खिलाड़ी लगातार खेलते रहे तो चोटिल होने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। शार्दुल ने यह भी कहा था कि अगले साल बीसीसीआई को इसपर फिर से विचार करना चाहिए। रणजी ट्रॉफी के पुराने दिनों में शुरुआती 3 मैचों में 3 दिन का ब्रेक होता था।इसके बाद 4 दिन का ब्रेक होता था। नॉकआउट मुकाबले से पहले खिलाड़ियों को 5 दिन का ब्रेक मिलता था।इस सीजन मैंने देखा है कि सभी मैच 3 दिन के अंतराल पर ही खेले जा रहे हैं। हमारे खिलाड़ी इसी कारण ज्यादा चोटिल हो रहे हैं।

द्रविड़ ने इस बारे में कहा था कि भारतीय टीम में शामिल होने वाले कुछ खिलाड़ी व्यस्त शेड्यूल के बारे में शिकायत करते हैं।ऐसे में उनकी शिकायतों पर ध्यान देने की जरूरत है। वह अपना शरीर दांव पर लगा रहे हैं।हमें अपने शेड्यूल को सही करने के बारे में सोचना होगा। रणजी के अलावा दलीप ट्रॉफी और देवधर ट्रॉफी भी खेली जाती है। ऐसे में खिलाड़ी सोचने लगते हैं कि क्या सभी टूर्नामेंट इन दिनों में आवश्यक हैं।

चुलबुल पांडे बनकर वापस आ रहे हैं सलमान खान,अरबाज खान ने दबंग 4 पर लगाई मुहर

एक बार फिर बड़े पर्दे पर चुलबुल पांडे धमाले मचाने के लिए तैयार हैं। सलमान खान की दबंग फ्रैंचाइजी के चौथे पार्ट को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है, जिसे सुनकर फैंस खुशी से झूम उठेंगे। खबरें हैं कि बहुत सलमना खान अब जल्द ही दबंग 4 लेकर आने वाले हैं। इस बात की पुष्टि अभिनेता और निर्माता अरबाज खान ने की है।अरबाज ने दबंग 4 को हरी झंडी दिखा दी है। उन्होंने कहा कि इस वक्त मैं और सलमान दोनों ही अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिजी चल रहे हैं। लेकिन सलमान खान एक बार फिर चुलबुल पांडे का किरदार निभाना चाहते हैं। सही समय आने पर हम फिल्म की घोषणा करेंगे और फिर शूटिंग शुरू होगी।

याशिका आनंद ने सोशल मीडिया पर शेयर कीं दिलकश तस्वीरें, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख फैंस हुए दीवाने

अभिनेत्री याशिका आनंद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना लेती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं,जिन्हें देखकर उनके फैंस मदहोश हो गए हैं। इन तस्वीरों में याशिका आनंद लाइट मेकअप, रेड लिपस्टिक और खुले बालों के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं.। वह तस्वीरों में अलग-अलग पोज दे रही हैं और उनका ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।तस्वीरों को शेयर करते ही याशिका के फैंस ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। कोई उन्हें उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है, तो कोई हार्ट और फायर इमोजी भेजकर अपना प्यार जता रहा है। याशिका आनंद एक भारतीय एक्ट्रेस और मॉडल हैं जो मुख्य रूप से तमिल फिल्मों और टेलीविजन शो में काम करती हैं। उनके अभिनय के तो ज्यादा चर्चे नहीं लेकिन अपनी बोल्ड पिक्चर्स से जरूर वे आए दिन ही लोगों का अटेंशन लेती हैं। अभिनेत्री ने गौतम कार्तिक की एडल्ट कॉमेडी फिल्म इरुतु चिम्बा मुराट्टू कुथु में दिखीं जो युवा दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय हुई.एडल्ट कॉमेडी फिल्म को करने के बाद यशिका की लोकप्रियता में भी काफी इजाफा हुआ।

धनुष,नागार्जुन, शेखर कम्मुला के डीएनएस शीर्षक से उठा पर्दा, फिल्म कुबेर से फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला भारतीय सिनेमा के दो बड़े सितारों-राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता धनुष और किंग नागार्जुन अक्किनेनी के साथ अपना महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट डीएनएस बना रहे हैं। महा शिवरात्रि के शुभ अवसर पर, निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया और फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया। फिल्म का नाम कुबेर है जो सबसे अमीर देवता का नाम है।धनुष का फर्स्ट लुक टाइटल से काफी अलग है। पृष्ठभूमि में भगवान शिव को देवी अन्नपूर्णा से भिक्षा लेते हुए दिखाया गया है, जबकि हम धनुष को छवि के सामने खड़े हुए देखते हैं, एक बहुत ही गंदे अवतार में और फटे कपड़ों के साथ। मोशन पोस्टर रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद के धमाकेदार स्कोर के साथ आध्यात्मिक भावनाओं से भरपूर है। शेखर कम्मुला ने हमें फर्स्ट लुक पोस्टर से आकर्षित किया है, जो शीर्षक के विपरीत धनुष के चरित्र को प्रस्तुत करता है। इससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ती है और धनुष इसमें किस तरह की भूमिका निभा रहे हैं। फैंस नागार्जुन के किरदार के बारे में भी जानने के लिए उत्सुक हैं। लेकिन, फिल्म में नागार्जुन के किरदार पर अपडेट के लिए उन्हें कुछ और समय इंतजार करना होगा।फिल्म में प्रमुख महिला के रूप में रश्मिका मंदाना भी हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है, जबकि निकेथ बोम्मी सिनेमैटोग्राफी संभालते हैं। रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव, एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, अपने बैनर श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज एलएलपी (ए यूनिट ऑफ एशियन ग्रुप) के तहत फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

बिजली कंपनी में हुआ बड़े खेल का खुलासा

कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने साफ्टवेयर में भी किया गया खेल

रायपुर,19 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की सरकारी बिजली वितरण कंपनी के कुछ अफसर कंपनी को ही चूना लगा रहे हैं। अफसर ही उपभोक्ताओं की श्रेणी बदलकर बिल कम कर दे रहे हैं। विजिलेंस की जांच में पकड़े गए इन मामलों पर सतर्कता विभाग ने मामले की पड़ताल की तो उसमें कंपनी के साफ्टवेयर में खेल किए जाने का खुलासा हुआ है।

इस खबर के बाद बिजली कनेक्शनों की जांच करने वाली विजिलेंस की टीम ने पूरे मामले की समीक्षा की। कंपनी के अफसरों के अनुसार कंपनी के कम्प्यूटर साफ्टवेयर (सैफ) में विजिलेंस की बिलिंग को माफ करने का कोई प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद बिल माफ कर दिया गया है। विजिलेंस के अफसरों ने जब इसका पता लगाया तो नए खेल का खुलासा हुआ। विजिलेंस की टीम ने साफ्टवेयर में बदलाव को गैर कानूनी बताते हुए इसकी आला अफसरों से लिखित शिकायत की है।कंपनी के कार्यपालन अभियंता (सतर्कता) ने इस संबंध में मुख्य अभियंता (सतर्कता) को इस संबंध में एक पत्र लिखा गया है। इमसें कार्यपालन अभियंता ने कहा है कि उपभाक्ताओं के नियमित बिलों में सतर्कता जांच कि अतिरिक्त राशि सीसीबी कोड 0236 (डेबिट विजिलेंस चेक) के माध्यम से जोड़ी जाती है। विजिलेंस चेकिंग का सीसीबी क्रेडिट कोड सैप सिस्टम में उपलब्ध नहीं है। इसलिए ईआईटीसी द्वारा नया अस्थायी सीसीबी कोड 0010/0740 सृजित किया गया है जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं के बिलो में क्रेडिट किया गया है।छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत प्रदाय संहिता-2011 की कड़िका क्र. 11.14 के अनुसार कार्यपालन अभियंता को निम्नदाब कनेक्शनों के सतर्कता जांच कि अतिरिक्त बिलिंग हेतु पूर्ण रूप से अधिकार दिए गए हैं उनके द्वारा बिलिंग में पांच-पांच छः-छः माह का विलंब किया गया और आधी अधूरी जानकारी के साथ टैरिफ के प्रयोजन में मेनीपुलेट कर प्रकरण उच्च कार्यालयों को भेजे गए। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत प्रदाय संहिता-2011 की कड़ीका क्र.11.21 का परिपालन नहीं किया गया। उक्त कड़ीका में निहित प्रवधान के अनुसार आवेदक से विवादित बिलिंग की राशि का 50त्न साथ ही फीस की राशि 1त्न अथवा कम से कम 500-/ रू. या अधिकतम 10000/- रू. जमा करवाने थे जिसका परिपालन नहीं किया गया है।

डहरिया दंपति संकट में

सरकार ने जांच टीम का किया गठन

रायपुर,19 मार्च 2024(ए)। राजधानी के शताब्दी नगर में नगर निगम की जमीन पर करोड़ों रुपये खर्च करके भवन का निर्माण और फिर उस पर कब्जा के मामले की जांच के लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने कमेटी गठित कर दी है। इस मामले में पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया की पत्नी और कांग्रेस नेत्री शकुंतला डहरिया की समिति आरोपों के घेरे में हैं। फरवरी में हुए विधानसभा के बजट सत्र के दौरान यह मामला उठा था। इस पर विभागीय मंत्री ने जांच कराने की घोषणा की थी। सदन में की गई इसी घोषणा के परिपालन में नगरीय प्रशासन विभाग ने जांच कमेटी गठित कर दी है। रायपुर संभाग आयुक्त की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में अपर कलेक्टर और संचालनालय में मुख्य अभियंता को सदस्य बनाया गया है। वहीं, संचालनालय के ही संयुक्त संचालक को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मंत्रियों के शासकीय विश्रामगृह में रुकने पर लगी पाबंदी

राज्य निर्वाचन आयोग छत्तीसगढ़

रायपुर, 19 मार्च 2024(ए)। चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन-2024 कार्यक्रम की घोषणा पश्चात जिले में आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो चुकी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल द्वारा आदेश जारी किया गया है कि निर्वाचन घोषणा होने की तिथि से निर्वाचन समाप्ति तक कोई भी राजनीतिक दल के व्यक्ति, मंत्रीगण, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारी आदि, शासकीय अथवा अर्ध शासकीय विश्राम गृह/उच्च विश्राम गृह आदि में चुनाव प्रचार-प्रसार अथवा राजनीतिक उद्देश्य से न तो ठहर सकते है और न ही वहां पर राजनीतिक गतिविधियां कर सकेंगे।

पूर्व डीजीपी डीएम अवस्थी एसीबी-ईओडब्ल्यू के प्रभार से मुक्त

रायपुर, 19 मार्च 2024(ए)। वरिष्ठ आईपीएस अफसर तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी डीएम

अवस्थी से राज्य सरकार ने एसीबी और ईडब्ल्यू का प्रभार वापस ले लिया है। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में श्री अवस्थी के पास एंटी करप्शन और ईओडब्लू का प्रभार था जिसे सरकार ने वापस ले लिया हैं।

चैकिंग में पकड़ाया 28 लाख रुपए कैश

राजनांदगांव, 19 मार्च 2024 (ए)। आदर्श आचार संहिता के प्रतिपालन में शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने के लिए पुलिस द्वारा जगह-जगह चेकिंग पॉइंट लगाकर वाहनों को चेकिंग की जा रही है। इसी दौरान राजनांदगांव कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने एक वाहन से 28 लाख रुपए नगदी रकम बरामद किया है।आदर्श आचार संहिता लागू होते ही पुलिस शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने की दिशा में व्यवस्था बना रही है। जिसके तहत चौक चौराहों पर चेकिंग पॉइंट लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसी बीच राजनांदगांव शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराने गंज चौक के समीप पुलिस ने एक मारुति स्विफ्ट कर को रोक कर कर की तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को कर से 28 लख रुपए नगदी रकम बरामद हुआ। बड़े पैमाने पर नगदी रकम मिलने से पुलिस ने इस मामले की सूचना आयकर विभाग को अग्रिम कार्रवाई के लिए दी है।

अरुण सिसोदिया के लेटर पर नितिन नबीन का तंज

भूपेश ने पार्टी के सभी लोगों को ठगा

जिस पार्टी ने सीएम बनाया उसी पार्टी के खजाने पर किया हाथ साफ

रायपुर,19 मार्च 2024 (ए)। कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया के लेटर को लेकर भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन ने कांग्रेस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे भूपेश ने ठगा नहीं। इस लाइन को हम कहते थे और यह चरितार्थ हुआ है। जिस पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया उसमें भी हाथ साफ किया.। प्रदेश अध्यक्ष को शिकायत हुई है.। यदि निर्णय लेंगे तो उनकी कुर्सी जाएगी। भूपेश और उनके लोगों ने कांग्रेस के खजाने में भी हाथ साफ किया है।

दीपक बैज द्वारा भाजपा की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर नितिन नवीन ने कहा कि अब उनको यही लगेगा कि भाजपा की मान्यता रद्द होगी तभी वह जीवित हो पाएंगे। हमारी पार्टी न्यायालय का सम्मान करती है। हम न्यायालय के निर्णय के साथ जाते हैं. उन्होंने जनता को ठगने का काम किया। जनता ने उन्हें पूरी तरीके से जवाब दिया है.।

सीएम हाउस से इतना प्यार था,ना कार्यकर्ता से मिले ना जनता से : नितिन

राजनांदगांव मामले को लेकर सह प्रभारी ने कहा कि सीएम हाउस से इतना प्यार था, ना कार्यकर्ता से मिले, ना जनता से मिले। अब तो उन्हें झेलना पड़ेगा.। उनके पास कोई जवाब नहीं है. ना कार्यकर्ता के पास जाने लायक बचे हैं। ना जनता के बीच जाने लायक बचे हैं।. राजनांदगांव में कार्यकर्ताओं ने इसलिए सवाल उठाया। तथाकथित कांग्रेस के लोग आज खुद के कटघरे में खड़े हैं।

11 की 11 सीट जीतेंगे : नितिन

कोरबा और बस्तर लोकसभा सीट जीतने की रणनीति पर उन्होंने कहा कि हम 11 की 11 सीटों को टारगेट कर रहे हैं। मोदी की झोली में 400 सीट जानी है जिसमें छत्तीसगढ़ की 11 की 11 सीट जाएगी। हर सीटों के लिए हमने रणनीति बनाई है ।. हमारे कार्यकर्ता मुस्तैदी से लोकसभा चुनाव में लग चुके हैं। छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक जीत मोदी जी और विष्णु देव साय की होगी।

इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस को ऐसा लगता है कि बीजेपी की मान्यता खत्म होगी तब ही वह जीवित हो पाएंगे। न्यायालय का जो भी निर्णय होता है बीजेपी उसका सम्मान करती है। उनका बॉन्ड जो जनता के साथ था वह दिखा। जनता को बुरी तरीके से ठगा इसलिए जनता ने जवाब दिया।

एसआई-प्लाटून कमांडर भर्ती एग्जाम में गड़बड़ियों के खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

रायपुर, 19 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के एसआई और प्लाटून कमांडर भर्ती एग्जाम में गड़बड़ियों के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। परीक्षा के बाद सिलेक्शन से वंचित प्रतियोगियों ने गलत मेरिट सूची जारी करने और आरक्षण नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। सभी पक्षों को सुनने के बाद सिंगल बेंच ने फैसले के लिए ऑर्डर रिजर्व रखा है। प्रदेश में एसआई और प्लाटून कमांडर के करीब 975 खाली पदों पर भर्ती के लिए पुलिस मुख्यालय ने साल 2021 में वैकेंसी निकाली थी। भर्ती की जिम्मेदारी व्यावसायिक परीक्षा मंडल को दी गई, जिस पर 17 सितंबर 2021 को आवेदन जमा करने के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। भर्ती के लिए प्रारंभिक एग्जाम लिया गया और मेरिट सूची जारी की गई। व्यापम ने मुख्य परीक्षा के पहले ही आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए कैटेगरी वाइज सूची जारी कर दी, जिसके कारण जनरल कैटेगरी के बहुत से उम्मीदवारों का नाम सूची में नहीं आ सका। व्यावसयिक परीक्षा मंडल की ओर से जारी सूची को चुनौती देते हुए जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों ने अपने-अपने वकील के जरिए हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। केस में उनकी तरफ से सीनियर एडवोकेट किशोर भादुड़ी,अभिषेक सिन्हा सहित दूसरे वकील ने पैरवी की।

सीएम विष्णु देव साय द्वारा आर्यभट्ट की भव्य प्रतिमा का उद्घाटन

भिलाई,19 मार्च 2024 (ए)। विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय नेवई में सुप्रसिद्ध मूर्तिकार अंकुश देवांगन द्वारा निर्मित आर्यभट्ट की भव्य प्रतिमा का उद्घाटन किया। उन्होंने मंच पर कलाकार का शाल और हार से सम्मान करते हुए उनके कलाकार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस दौरान उप मुख्यमंत्रीद्वय विजय शर्मा, अरूण साव तथा सांसद विजय बघेल के साथ ही विधायक ललित चंद्राकर, गजेंद्र यादव, ईश्वर साहू, विश्वविद्यालय के कुलपति तथा सैकड़ो की तादात मे दर्शकगण मौजूद थे।

उद्घाटन समारोह में मंच पर सांसद विजय बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को अंकुश देवांगन का विस्तृत परिचय करवाया। उन्होंने बताया कि अंकुश ने दल्ली राजहरा मे छ- मंजिली इमारत जितना विशाल कृष्ण-अर्जुन भीष्म पितामह लोहे का रथ बनाया है। जिसे विश्व का सबसे बड़ा लौहरथ माना जाता है। रायपुर के पुरखौती मुक्तागन में दुनिया के सबसे लंबे भित्तिचित्र कला के अलावा उन्होंने दुनिया की सबसे छोटी मूर्तिया भी बनाई है जिसे देखने के लिए माइक्रो पावर लैंस की आवश्यकता पड़ती है। मुख्यमंत्री तथा दोनों उपमुख्यमंत्रियो ने सांसद के मुख से कलाकार की तारीफ से अल्हादित होते हुए कलाकार के सुखद भविष्य की कामना की है।

पुलिस ने शराब के जखीरे पर चलाया बुलडोजर

बेमेतरा, 19 मार्च 2024(ए)। बेमेतरा पुलिस ने अवैध शराब पर बुलडोजर चलाया है। दरअसल, पुलिस ने कोर्ट के आदेश बाद 216 प्रकरण में जब्त एक हजार 783 लीटर शराब को नष्ट किया गया। पुलिस ने बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में आबकारी एक्ट के प्रकरणों में जब्त शराब को कोर्ट में जमा किया गया था। कोर्ट के आदेश बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उमेश उपाध्याय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनिता कोसिमा रावटे और मोहम्मद जहांगीर तिगाला की उपस्थिति में थाना दाढ़ी के 52 प्रकरण में 307 लीटर 360 एमएल, पुलिस चौकी मारो के 10 प्रकरण में 36 लीटर 180 एमएल, थाना नवागढ के 28 प्रकरण में 91 लीटर 620 एमएल, चौकी कंडरका में 22 प्रकरण में 76 लीटर 860 एमएल, थाना नांदघाट के 34 प्रकरण में 99 लीटर 900 एमएल, चौकी खंडसरा के 21 प्रकरण में 315 लीटर 660 एमएल, थाना बेरला के 49 प्रकरण में 855 लीटर 820 एमएल, कुल 216 प्रकरण में 1 हजार 783 लीटर 400 एमएल शराब को बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। इन शराब को पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद किया था। इसके बाद कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट में सुनवाई के बाद अवैध शराब को नष्ट किया है।

बेमेतरा पुलिस ने मंगलवार को भारी मात्रा में शराब का नष्टिकरण किया। कोर्ट के आदेश पर

विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब पर बुलडोजर चलवाया गया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश बाद 216 प्रकरण में जब्त एक हजार 783 लीटर शराब को नष्ट किया गया। पुलिस ने बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में आबकारी एक्ट के प्रकरणों में जब्त शराब को कोर्ट में जमा किया गया था। कोर्ट के आदेश बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उमेश उपाध्याय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनिता कोसिमा रावटे और मोहम्मद जहांगीर तिगाला की उपस्थिति में थाना दाढ़ी के 52 प्रकरण में 307 लीटर 360 एमएल, पुलिस चौकी मारो के 10 प्रकरण में 36 लीटर 180 एमएल, थाना नवागढ के 28 प्रकरण में 91 लीटर 620 एमएल, चौकी कंडरका में 22 प्रकरण में 76 लीटर 860 एमएल, थाना नांदघाट के 34 प्रकरण में 99 लीटर 900 एमएल, चौकी खंडसरा के 21 प्रकरण में 315 लीटर 660 एमएल, थाना बेरला के 49 प्रकरण में 855 लीटर 820 एमएल, कुल 216 प्रकरण में 1 हजार 783 लीटर 400 एमएल शराब को बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। इन शराब को पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद किया था। इसके बाद कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट में सुनवाई के बाद अवैध शराब को नष्ट किया है।

गढ़चिरौली में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में चार हार्डकोर माओवादी ढेर

गढ़चिरौली/रायपुर,19 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर में गढ़चिरौली जिले में महाराष्ट्र पुलिस के सी-60 कमांडो और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में कमांडो यूनिट ने चार हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने मारे गए नक्सलियों के शव, एक एके-47 कार्बाइन, दो पिस्तौल और नक्सली साहित्य सहित हथियारों का जखीरा भी बरामद किया। मुठभेड़ में नक्सली डीवीसी मेंबर वर्गीश, डीवीसी मंगतू, प्लाटून सदस्य कुरसम राजू और प्लाटून सदस्य वेंकटेश मारे गए। ये सभी माओवादी तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य थे। मारे गए नक्सलियों पर 36 लाख रुपए का इनाम था। जानकारी के अनुसार नक्सली तेलंगाना सीमा पार कर गढ़चिरौली में घुसपैठ कर रहे थे। संभवतः उनकी आगामी लोकसभा चुनावों में हिंसा करने की एक बड़ी योजना थी। योजना के तहत वे घुसपैठ करके आए थे। जानकारी के मुताबिक, इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

राजधानी से लेकर सरगुजा तक हो रही भारी बारिश

मौसम विभाग ने दी बारिश की चेतावनी

रायपुर, 19 मार्च 2024(ए)। मौसम विभाग रायपुर ने आगामी चौबीस घंटों के दौरान एक बार फिर से भयंकर मेघगर्जन के साथ ओलावृष्टि होने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में इस दौरान मौसम काफी बिगड़ सकता है।मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, गौरेला-पेण्ड्रा, मरवाही, मुंगेली, रायगढ़, कोरबा, कबीरधाम एवं जांजगीर-चांपा जिलों में मेघगर्जन के साथ वर्षा होने, अंधड़ चलने अथवा ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है। इसी तरह बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, गरियाबंद तथा महासमुंद जिलों में भी मेघगर्जन के साथ मध्यम से भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसके पूर्व 16 मार्च से प्रदेश में मौसम का मिजाज बिगडऩे तथा आंधी-बारिश की चेतावनी दी थी। जो कि पूर्ण रुप से सच साबित हुई है। 16 मार्च से प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बेमौसम बारिश का सिलसिला देखा जा रहा है। इससे खेती-किसानी को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)